संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, गुरूवार, 29 फरवरी 2024 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कार्यकर्ता से गले मिलते हुए।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
एक्शन इंडिया
वर्ष: 15 अंक: 58 पृष्ठ: 08
RNI : UTTHIN/2009/31653
actionindiaddn@gmail.com
उत्तराखण्ड संस्करण
दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड
RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

तमिलनाडुः पीएम ने 17,300 करोड़ के प्रोजेक्ट का किया उद्घाटन

टीम एक्शन इंडिया
चेन्नई/मुंबईः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को तमिलनाडु के थूथुकुडी में 17 हजार 300 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स की नींव रखी। इनमें देश का पहला हाइड्रोजन हब पोर्ट और इनलैंड वाटर वे वेसल शामिल है। इस वेसल को हरित नौका इनीशिएटिव के तहत बनाया गया है। इसके साथ ही ढट ने वीओ चिदंबरनार बंदरगाह पर आउटर हार्बर कंटेनर टर्मिनल की आधारशिला रखी। पीएम ने 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 75 लाइट हाउसेस में पर्यटक सुविधाएं भी राष्ट्र को समर्पित कीं। इसके अलावा 1,477 करोड़ की लागत से कन्याकुमारी, नागरकोइल और तिरुनेलवेली से चेन्नई तक के रेल प्रोजेक्ट्स और 4,586 करोड़ की चार सड़क परियोजनाओं का भी लोकार्पण किया। इसके अलावा पीएम ने कुलाशेखरपट्टीनम में क्रफ्ढ के नए लॉन्च कॉम्प्लेक्स की नींव रखी। ये कॉम्प्लेक्स 986 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। यहां से हर साल 24 लॉन्च किए जाएंगे। कॉम्प्लेक्स में 35 फैसिलिटी और एक मोबाइल लॉन्च स्ट्रक्चर शामिल होगा। इस मौके पर पीएम ने कहा, 'तमिलनाडु और देश की जनता को एक सत्य बताना जरूरी है। सत्य कड़वा होता है, लेकिन मैं सीधा आरोप यूपीए सरकार पर लगाना चाहता हूं। जो परियोजनाएं मैं आज यहां लेकर आया हूं वह दशकों से यहां के लोगों की मांग थी। आज जो लोग यहां सत्ता में बैठे हैं वे तब दिल्ली में बैठे थे, सरकार और यह विभाग चलाते थे, लेकिन उन्हें आपके विकास की फिक्र नहीं थी।

तमिलनाडु के लोगों ने काशी को बहुत बड़ा उपहार दियाः पीएम ने कहा कि जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया वे विकसित भारत के रोडमैप का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिनमें 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना भी देखने को मिलेगी। आज भारत की पहली हाइड्रोजन ईंधन फेरी लॉन्च की गई है। यह फेरी जल्द ही काशी में गंगा नदी में चलेगी, यह एक तरह से तमिलनाडु के लोगों का काशी के लोगों को बहुत बड़ा उपहार है।

मैरीटाइम सेक्टर की ग्रोथ से तमिलनाडु की ग्रोथ होगीः पीएम ने कहा कि केंद्र सरकार के प्रयासों से आज भारत मैरीटाइम और वाटरवेज के क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बना रहा है। आने वाले समय में मैरीटाइम सेक्टर की ग्रोथ कई गुना बढ़ने वाली है और इसका तमिलनाडु के तटीय इलाकों पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। इससे युवाओं के लिए नौकरी के अवसर निकलेंगे।

विकसित भारत के लक्ष्य की पूर्ति में विकसित तमिलनाडु की बड़ी भूमिकाः पीएम ने कहा कि आज देश विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए काम कर रहा है। इस लक्ष्य में विकसित तमिलनाडु की भूमिका बहुत बड़ी है।

'पहाड़' पर कांग्रेस 'बर्फीले तूफान' में फंसी...

सुक्खू सरकार पर गहराया संकटः विक्रमादित्य सिंह का मंत्री पद से इस्तीफा

संकट....

8 पार्टी में बने रहूंगा और भविष्य की राजनीति अपने समर्थकों और चाहने वालों से विचार-विमर्श कर तय करेंगे: विक्रमादित्य

चमन शर्मा
शिमलाः हिमाचल प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार पर संकट और गहरा हो गया है। सरकार में कैबिनेट मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने गत दिवस को अपने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपने इस्तीफे की घोषणा गत सुबह विधानसभा परिसर में पत्रकार सम्मेलन में की। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि वह अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री और राज्यपाल को सौंप रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस्तीफे के बावजूद पार्टी में बने रहेंगे और भविष्य की राजनीति अपने समर्थकों और चाहने वालों से विचार-विमर्श कर तय करेंगे। विक्रमादित्य सिंह ने अपने इस्तीफे की घोषणा से पहले अपनी ही सरकार को कठघरे में खड़ा किया और कई गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने जहां प्रदेश में वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाया, वहीं यह भी कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने उनके विभाग में बेवजह दखल कर प्रताड़ित करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि यह सब जानबूझकर हुआ, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि वह किसी दबाव में आने वाले नहीं हैं। भावुक होते हुए विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि उनके पिता व राजनीतिक गुरू स्व. वीरभद्र सिंह ने सारी उम्र अपनी शर्तों पर राजनीति की और मैं भी उन्हीं के पद चिन्हों पर चल रहा हूं।

'कांग्रेस को सत्ता में रहने का नैतिक अधिकार नहीं'

टीम एक्शन इंडिया
शिमला: हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार पर संकट के बाद मंडरा रहे हैं। भाजपा विधायक दल के साथ राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला से मुलाकात की और सदन में वित्तीय बजट के लिए मत विभाजन की मांग की। जयराम ठाकुर ने कहा कि राज्यपाल से मिलकर हमने मौजूदा घटनाक्रम की जानकारी दी। इस सरकार को सत्ता में रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। जयराम ठाकुर ने कहा, 'पिछले कुछ समय से विधानसभा में जो घटनाक्रम चल रहा है उसकी जानकारी हमने राज्यपाल को दी है। राज्यसभा चुनाव में जो परिणाम आया, जो वर्तमान स्थिति है उसे देखें तो कांग्रेस को सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है। कांग्रेस हमारी वजह से नहीं, अपनी वजह से संकट में है।'

'मंत्रिमंडल में बीते 14 माह में कोई भी तालमेल नहीं रहा'

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि अगर उनकी ही आवाज दबाने या अस्तित्व का प्रयास किया गया तो वह इसे बिल्कुल सहन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल में बीते 14 माह में कोई भी तालमेल नहीं रहा। उन्होंने कहा कि बीते सवा साल के दौरान कांग्रेस सरकार में कांग्रेस विधायकों की ही अनदेखी हुई और उनकी आवाज को दबाया गया। इसी कारण आज मौजूदा घटनाक्रम हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश के युवाओं ने प्रदेश में कांग्रेस को सत्ता में लाने में अहम भूमिका निभाई है, लेकिन उन्हें भी कोई तरजीह नहीं दी गई। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि उन्होंने इस अवधि के तमाम घटनाक्रम और सरकार की कार्यशैली से पार्टी हाईकमान को अवगत करवाया। हालांकि इसके बावजूद हाईकमान की ओर से कोई कदम नहीं उठाए गए। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि उनके पिता स्व. वीरभद्र सिंह जो छह बार राज्य के मुख्यमंत्री रहे, उनके नाम का पिछले चुनाव में पूरा इस्तेमाल किया गया।

'प्रॉपर्टी आईडी योजना के लिए केंद्र ने दिए 150 करोड़'

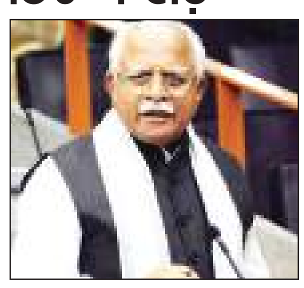

अवगत कराया

8 सड़कों पर लगे खंभों को अपने खर्च पर हटाएंगी ट्रांसमिशन कंपनियां: मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़ः **हरियाणा** के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने विधानसभा में बजट सत्र के अंतिम दिन बुधवार को कई बड़ी घोषणाएं करते हुए कहा कि सड़कों का चौड़ीकरण करते समय बीच में आने वाले बिजली के खंभों को अब ट्रांसमिशन कंपनियां स्वयं अपने खर्चे पर हटाएंगी। पहले संबंधित विभाग को बिजली के खंभे हटाने के लिए नोटिस दिया जाता था। मुख्यमंत्री सत्र के समापन अवसर पर प्रदेश वासियों, अधिकारियों तथा विधायकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने आबकारी नीति में प्रावधान किया था कि 1 मार्च से डिस्टलरीज प्लास्टिक की बोतलों की बजाए कांच की बोतलों में शराब की सप्लाई करेगी। अब सरकार ने पॉलिसी की अवधि तक इस अनिवार्य प्रावधान को वैकल्पिक कर दिया है, ताकि डिस्टलरीज को किसी प्रकार की कोई कठिनाई न हो। विधानसभा में मंगलवार को शराब की कांच की बोतलों में बिक्री को लेकर इनेलो विधायक अभय चौटाला तथा उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के बीच काफी बहस हुई थी। इस हंगामे में दोनों ने एक-दूसरे पर व्यक्तिगत आरोप लगाए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा चलाई जा रही प्रोपर्टी आईडी की व्यवस्था की केंद्र सरकार ने सराहना की है।

जो परियोजनाएं तमिलनाडु में लाये हैं वे दशकों से यहां की मांग थीं: मोदी

सीधा आरोप

8 मैं आज जो प्रोजेक्ट लेकर आया हूं, वो यहां के लोगों की दशकों से मांग थी: पीएम मोदी

टीम एक्शन इंडिया
थूथुकुडीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि वह जो परियोजनाएं तमिलनाडु में लेकर आये हैं, वह दशकों से यहां के लोगों की मांग रही हैं। वह बुधवार को तमिलनाडु के थूथुकुडी में 17,300 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह तमिलनाडु सहित पूरे देश की जनता को एक कड़वा सत्य बताना चाहते हैं, बड़े दुख के साथ, सत्य कड़वा होता है लेकिन सत्य जरूरी भी होता है। मैं यूपीए सरकार पर सीधा-सीधा आरोप लगा रहा हूं। मैं आज जो प्रोजेक्ट लेकर आया हूं, वो यहां के लोगों की दशकों से मांग थी। आज जो यहां सत्ता में बैठे हैं, वे लोग उस समय दिल्ली में सरकार चलाते थे, लेकिन उनको आपके विकास की परवाह नहीं थी। बातें तमिलनाडु की करते हैं लेकिन तमिलनाडु की भलाई के लिए कदम उठाने की हिम्मत नहीं थी।

आज मैं तमिलनाडु की धरती पर इस राज्य का भाग्य लिखने के लिए एक सेवक बनकर आया हूं। उन्होंने कहा कि आज की विकास परियोजनाओं में एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना देखी जा सकती है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भले ही परियोजनाएं थूथुकुडी में हों, इससे पूरे भारत में कई स्थानों पर विकास को गति मिलेगी। उन्होंने दो साल पहले की अपनी यात्रा को याद किया जब उन्होंने चिदंबरनार बंदरगाह की क्षमता के विस्तार के लिए कई परियोजनाओं को हरी झंडी दिखाई थी और इसे शिपिंग का एक प्रमुख केंद्र बनाने का अपना वादा किया था। वह गारंटी आज पूरी हो रही है। वीओ चिदंबरनार बंदरगाह पर आउटर हार्बर कंटेनर टर्मिनल की आधारशिला के बारे में बात करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि इस परियोजना में 7,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। आज 900 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया है और 13 बंदरगाहों पर 2500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरूआत की गई है।

यूपीः अब तो प्रभु राम की कृपा भी आ गई है तो...'

टीम एक्शन इंडिया
लखनऊः 'विकसित भारत-मोदी की गारंटी' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, "2019 में, जब बीजेपी अकेली लड़ रही थी तब सभी राजनीतिक दल एकजुट होकर पीएम मोदी के खिलाफ लड़ रहे थे। तब हमने 80 में से 64 सीट जीते थे। अब तो और भी अच्छा वातावरण हो गया है अब तो प्रभु राम की कृपा भी आ गई है। बहुत सारे आकांक्षाओं को पूरा करने का काम भी पूरा हुआ है...तो हमें कल की तरह 100 फीसदी परिणाम मिलने चाहिए।

राज्यसभा में निर्वाचित होने के उपरांत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के साथ शिष्टाचार भेंट करते हुए सुधांशु त्रिवदी।

महादेव ऐप घोटालाः ईडी का 15 से ज्यादा ठिकानों पर छापा

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्लीः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव ऐप घोटाला मामले में बुधवार को देशभर में 15 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी की यह छापेमारी दिल्ली-एनसीआर, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र के मुंबई में चल रही है। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने महादेव ऐप घोटाला मामले में देशभर के 15 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की है। यह छापेमारी पश्चिम बंगाल, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर में चल रही है। ईडी ने इस केस से जुड़े धनशोधन के मामले में रायपुर की एक विशेष अदालत में नया आरोपपत्र दायर किया था।

अवैध खननः सीबीआई ने अखिलेश यादव को भेजा समन

टीम एक्शन इंडिया
लखनऊः केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को अवैध खनन मामले में बुधवार को समन भेजकर बतौर गवाह पूछताछ के लिए गुरुवार (29 फरवरी) को दिल्ली बुलाया है। सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसी ने यह समन अवैध खनन के मामले में भेजा है। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2012-17 तक सपा की सरकार थी और अखिलेश यादव मुख्यमंत्री थे। इस दौरान हमीरपुर जिले में हुए अवैध खनन के मामले में वर्ष 2019 में सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की थी। इसमें हमीरपुर की तत्कालीन जिलाधिकारी समेत कई अधिकारियों के भी नाम हैं। एफआईआर में आरोप है कि इन अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने खनन के लिए निकाली गए टेंडर में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया। खनिजों का अवैध खनन भी होने दिया।

'संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए विपक्ष ने उत्तर-दक्षिण को बांटा'

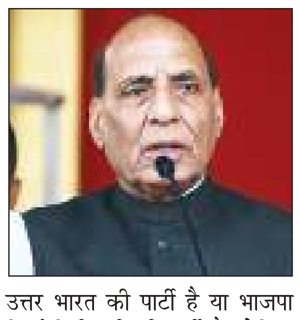

विपक्ष पर हमला

8 पार्टी को बदनाम करने के ऐसे प्रयास राष्ट्रीय अखंडता पर सवालिया निशान लगाते हैं : राजनाथ सिंह

टीम एक्शन इंडिया
विशाखापत्तनमः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा सिर्फ उत्तर केंद्रित पार्टी नहीं है और उत्तर-दक्षिण के बीच रेखा विपक्ष ने संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए खींची है। उन्होंने कहा कि पार्टी को बदनाम करने के ऐसे प्रयास राष्ट्रीय अखंडता पर सवालिया निशान लगाते हैं। आंध्र प्रदेश में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलनों में राजनाथ ने कहा, भाजपा विभिन्न राज्यों की सत्ता में रही है जिनमें दक्षिणी राज्य कर्नाटक शामिल है। अक्सर आरोप लगाया जाता है कि भाजपा सिर्फ उत्तर भारत की पार्टी है या भाजपा सिर्फ हिंदी पट्टी की पार्टी है, लेकिन भाजपा ने असम में दो बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई है। असम हिंदी पट्टी का राज्य नहीं है। पार्टी राजस्थान और गुजरात जैसे पश्चिमी राज्यों में लगभग तीन-चार दशकों से प्रभावी उपस्थिति दर्ज करा रही है और पिछले लोकसभा चुनावों में पश्चिम भारत में उसे अधिकतम सीटें प्राप्त हुई थीं। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, ह्यगुजरात में 30 वर्षों से हमारी सरकार है। कर्नाटक में लंबे समय तक हमारी सरकार रही। वर्तमान में हम बंगाल, ओडिशा व कर्नाटक में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी हैं। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु व केरल में हमारा मत प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है। इसलिए यह कहना तथ्यात्मक रूप से बिल्कुल गलत है कि भाजपा सिर्फ उत्तर भारतीयों की पार्टी है। राजनाथ ने कहा, ह्यदक्षिण भारत की समृद्धता के आंकड़े दिखाकर हमारे विपक्ष के सहयोगी कई बार उत्तर व दक्षिण भारतीयों के बीच विद्वेष दिखाने का प्रयास करते हैं।

नौसेना ने पोरबंदर में 3,300 किलोग्राम जब्त किया ड्रग्स

सबसे बड़ी खेप

8 एक ईरानी नौका से पांच विदेशियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 3,300 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्लीः भारतीय नौसेना और स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने एक संयुक्त अभियान में गुजरात तट के पास से एक ईरानी नौका से पांच विदेशियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 3,300 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया है। एनसीबी ने बुधवार को कहा। नौसेना, गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ते और एनसीबी का यह संयुक्त अभियान अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) से सटे अरब सागर में चलाया गया था। जब्त की गयी खेप में चरस, मेथामफेटामाइन और मॉर्फिन शामिल है, जो भारत में प्रतिबंधित हैं।

अधिकारियों ने बताया कि जब्त किये गये मादक पदार्थों में 3,089 किलोग्राम चरस, 158 किलोग्राम मेथामफेटामाइन और 25 किलोग्राम मॉर्फिन शामिल हैं।

नौसेना ने चालक दल के सदस्यों को पकड़ाः उन्होंने बताया कि नौसेना ने चालक दल के सदस्यों को पकड़ा गया, जिन्हें कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सौंप दिया गया। नौसेना के एक प्रवक्ता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा, भारतीय नौसेना ने स्वापक नियंत्रण ब्यूरो के साथ एक संयुक्त अभियान में लगभग 3300 किलोग्राम प्रतिबंधित सामग्री (3089 किलोग्राम चरस, 158 किलोग्राम मेथामफेटामाइन और 25 किलोग्राम मॉर्फीन) ले जा रही एक संदिग्ध नौका को पकड़ा। हाल के दिनों में जब्त की गई मादक पदार्थों की यह सबसे बड़ी खेप है।

एक देश एक चुनाव

सरकार गिरने पर यूनिटी गवर्नमेंट बनेगी, लॉ पैनल संविधान में जोड़ेगा नया चैप्टर

मंथन जारीः 2029 तक देश में हो सकते हैं एक साथ चुनाव

सिफारिश

8 आयोगएक साथ चुनावों पर नया चैप्टर जोड़ने के लिए संविधान में संशोधन की सिफारिश करेगा

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्लीः वन नेशन-वन इलेक्शन को लेकर लॉ पैनल संविधान में एक नया चैप्टर जोड़ सकता है। इसके जरिए आयोग 2029 तक देश में लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराने की सिफारिश कर पाएगा। सूत्रों की माने तो जस्टिस (सेवानिवृत्त) रितुराज अवस्थी की अध्यक्षता वाला आयोग एक साथ चुनावों पर नया चैप्टर जोड़ने के लिए संविधान में संशोधन की सिफारिश करेगा। इस चैप्टर में क्या है, इसकी जानकारी अभी बाहर नहीं आई है, लेकिन इसी के आधार पर अगले पांच सालों में तीन चरणों में विधानसभाओं को एक साथ लाने की योजना है। जिससे पहला एक साथ चुनाव मई-जून 2029 में हो सके। तब देश में 19वीं लोकसभा के लिए चुनाव होने हैं।

सरकार गिरने पर यूनिटी गवर्नमेंट के गठन की सिफारिशः
संविधान के नए अध्याय में एक साथ चुनाव, एक साथ चुनावों की स्थिरता और लोकसभा, विधानसभाओं, पंचायतों और नगर पालिकाओं के लिए सामान्य मतदाता सूची से संबंधित मुद्दे शामिल होंगे। यदि कोई सरकार अविश्वास प्रस्ताव के कारण गिर जाती है या त्रिशंकु सदन होता है, तो आयोग विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ यूनिटी गवर्नमेंट के गठन की सिफारिश करेगा। यदि यूनिटी गवर्नमेंट का फॉर्मूला काम नहीं करता है, तो कानून पैनल सदन के शेष कार्यकाल के लिए नए सिरे से चुनाव कराने की सिफारिश करेगा। सूत्रों ने बताया कि यूनिटी गवर्नमेंट का फॉमूर्ला फेल होने के बाद नए चुनावों की आवश्यकता है। अगर सरकार के पास अभी भी तीन साल हैं, तो स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए चुनाव बचे हुए कार्यकाल (तीन साल) के लिए होने चाहिए। विधि आयोग के अलावा, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति भी एक रिपोर्ट पर काम कर रही है कि कैसे संविधान और मौजूदा कानूनी ढांचे में बदलाव करके लोकसभा, राज्य विधानसभाओं, नगर पालिकाओं और पंचायतों के लिए एक साथ चुनाव कराए जा सकते हैं।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सैन्य अभ्यास पर सहमत हुए भारत और जर्मनी

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्लीः भारत और जर्मनी ने द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों में रक्षा सहयोग को मुख्य स्तंभ के रूप में विकसित करने पर जोर दिया है। बर्लिन में दोनों देशों की उच्च रक्षा समिति की बैठक में मंगलवार को रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के रास्तों पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने कहा कि दोनों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संयुक्त सैन्य अभ्यास करने पर सहमत हुए हैं। यह कदम दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा संबंधों को दर्शाता है। जबकि जर्मनी का नेतृत्व रक्षा मंत्रालय के विदेश सचिव बेनेडिक्ट जिमर ने किया।

अपराधियों पर नजर रखने के लिए सूचना तंत्र मजबूत करने का निर्णय, बैठक संपन्न

सख्त कार्रवाई

8 अवैध शराब और अवैध हथियार की सप्लाई करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्णय लिया गया।

रुद्रपुर(उधम सिंह नगर)
लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की बैठक में अपराधियों पर नजर रखने के लिए सूचना तंत्र को मजबूत करने,अवैध शराब और अवैध हथियार की सप्लाई करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया।
रुद्रपुर के रेडिसन होटल में आयोजित बैठक में उत्तराखंड के उधम सिंह नगर और उत्तर प्रदेश के बिजनौर,रामपुर, पीलीभीत,मुरादाबाद और बरेली जनपद के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।
इस बैठक में लोकसभा चुनाव को सकुशल कराने के लिए दोनों प्रदेशों के अधिकारियों ने अपने अपने सुझाव दिए और अवैध शराब और अवैध हथियार की सप्लाई करने वालों पर सख्त कार्रवाई किए जाने का निर्णय लिया। इसके अलावा अपराधियों पर नजर रखने के लिए सूचना तंत्र को मजबूत करने ,जनपदीय सीमाओं पर सीसी टीवी कैमरे, बैरियर लगाने जैसे फैसले लिए गए।
जिलाधिकारी उदय राज सिंह ने सीमाओं पर स्थित संवेदनशील और वन क्षेत्र में पड़ने वाले बूथों को चिह्नित करने की सलाह दी ताकि अपराधी इन बूथों पर कोई गड़बड़ी करके मतदान प्रक्रिया में बाधा ना डाल सकें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के पांच जनपद उधमसिंह नगर की सीमाओं से लगे है ।उन्होंने सभी जनपदों से निर्वाचन में सहयोग समन्वय करने, सीमाओं पर कानून व्यवस्था, चैक पोस्ट, अवैध मदीरा की तस्करी, जनपदीय सीमाओं पर बैरियर एवं सीसीटीवी व्यवस्था कर निर्वाचन को शांतिपूर्ण निर्बाध कराने में समन्वय व पूर्ण सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि सीमाओं पर क्रिटिकल व वर्नेवल क्षेत्र/बूथ चिन्हित है, उनमें विशेष ध्यान देने की जरूरत पर बल दिया।
जिलाधिकारी ने कहा कि आपसी समन्वय बनाकर निर्वाचन सकुशल कराना पहली प्राथमिकता है। इसलिए सभी सीमावर्ती उप जिलाधिकारी आपस में समन्वय बैठक आयोजित करें।
मुरादाबाद के जिलाधिकारी मानवेन्द्र सिंह ने कहा कि निर्वाचन में पूर्ण सहयोग व समन्वय के साथ कार्य किया जायेगा। उन्होंने कहा मुरादाबाद जिले के तहसील सदर व ठाकुरद्वारा उधमसिंह नगर व नैनीताल जिले की सीमाओं से लगता है। इन सीमाओं में 11 जगह बैरियर लगाये जायेंगे। अपराधिक, ड्रग्स, शराब को रोकने में भी समन्वय बनाते हुए कार्य किया जायेगा। उन्होंने कहा सभी अधिकारियों के फोन नम्बर आपस में शेयर किये जायेगें।
मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि जनपद में कुल 13,17,741 मतदाता है व सुलभ मतदान हेतु 805 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं।

प्रेम प्रसंग के चलते बहू बनी सास की कातिल, प्रेमी संग मिलकर की थी हत्या

हत्या

8 -संदेह में आई मृतका की बहु से गहराई से पूछताछ की गयी तो उसने सारा भेद खोल दिया।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
एसएसपी ने जनपद के झबरेड़ा थाना क्षेत्र में हुई बुजुर्ग महिला की हत्या को खुलाया करते हुए मृतका की पुत्र वधू और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है।
एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 15 फरवरी को झबरेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम अकबरपुर फाजिलपुर निवासी सोनू कुमार की मां सावित्री देवी अपने घर के घेर में मृत मिली थीं। उन्होंने बताया कि अन्तिम संस्कार से पूर्व शव को नहलाने की प्रक्रिया के दौरान गले में फंदे के निशान पाए जाने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतका के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा व पोस्टमार्टम की कार्रवाई की गयी।
बताया कि प्रकरण की जांच में जुटी टीम की पड़ताल में सामने आया कि मृतका के बेटे-बहु के बीच काफी समय से अनबन है। साथ ही बहु के किसी अन्य पुरुष के साथ प्रेम संबंध भी थे। बहू-बेटे के झगड़ों से अजीज आकर मृतका घर से कुछ दूरी पर स्थित घेर पर अकेले रहती थी।एसएसपी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त में मृत्यु का कारण गला घोंटना बताये जाने पर मृतका के पुत्र सोनू कुमार ने अपनी पत्नी पर हत्या का शक जताते हुए तहरीर देकर हत्या का मुकदमा दर्ज कराया। संदेह में आई मृतका की बहु से गहराई से पूछताछ की गयी तो उसने सारा भेद खोल दिया।
उन्होंने बताया कि शादी के 05 साल होने के बाद भी मृतका की बहु विगत काफी समय से मां नहीं बन पा रही थी, जिसका इलाज देहरादून और हरिद्वार के अस्पतालों से चल रहा था, लेकिन कोई भी सकारात्मक रुझान नहीं मिला। इसी दौरान आधार कार्ड में बदलाव कराते समय बहु, आधार कार्ड सेन्टर में कार्यरत जौनी नाम के युवक के संपर्क में आयी। ये पहचान धीरे-धीरे प्रेम एवं अवैध सम्बन्ध में बदल गई।

न्यूज फ्लैश

भाजपा युवा मोर्चा ने युवा चौपाल के तहत नरेन्द्र मोदी की गारंटी की लाभार्थियों दी जानकारी

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
भाजपा युवा मोर्चा के पूरे भारत में चलाए जा रहे युवा चौपाल के अंतर्गत, कार्यक्रम आयोजित कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी की लाभार्थियों को जानकारी दी। भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला ऋषिकेश के मंडल रायवाला में युवा चौपाल का कार्यक्रम शारदा पैलेस , हरिपुर कलां में कार्यक्रम संयोजक विशाल भट्ट के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें युवाओं को पिछले 10 साल में मोदी सरकार के द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों से अवगत करवाया गया ' कार्यक्रम विस्तारक वीरेन्द्र पंवार मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के इस बार 370 का लक्ष्य रखे जाने के साथ गठबंधन के 400 पार को निश्चित किया है जिसे सभी ने एक जुटता के साथ हासिल करना है। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष सागर गिरी, जिला कार्यकारिणी सदस्य महिला मोर्चा लक्ष्मी जुगलान , मंडल मंत्री संदीप शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य अमरजीत, नंदलाल शाह, सुनील जुगलान, हरिओम शर्मा, गौरव सैन, सूरज राजपूत, कैलाश पांडे, सोनू, सौरभ गुप्ता, आशीष भट्ट,अरुण मिश्रा , पंकज बुटोला,आदि भी मौजूद थे '

प्रदेश की अर्थव्यवस्था ने लगाई बढ़ी छलांग, 7.03 %, रही विकास दर, आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट आई सामने

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट वर्ष 2023-24 के अनुसार उत्तराखंड में प्रति व्यक्ति आय में भी 12.64 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। प्रति व्यक्ति आय बढ़कर दो लाख 60 हजार 201 रुपया पहुंच गई है।
प्रदेश की अर्थव्यस्था ने बढ़ी छलांग लगाई है। आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट वर्ष 2023-24 सामने आई है, जिसके प्रदेश की विकास दर बढ़कर 7.58 फीसदी पहुंच गई है, जो 2022-23 में 7.03 फीसदी थी।वर्ष 2023-24 में अर्थव्यवस्था का आकार बढ़कर 346.20 हजार करोड़ पहुंच गया है, 2022-23 में इसका आकार 303.78 हजार करोड़ था।
उत्तराखंड में प्रति व्यक्ति आय में भी 12.64 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 2 लाख 60 हजार 201 रुपया पहुंच गई है। साल 22-23 में यही आय दो लाख 30 हजार 994 थी।उत्तराखंड में सेकेंडरी सेक्टर में एक बार फिर बूम देखने को मिला है।

एग्रीकल्चर का अर्थव्यवस्था में 9.99% योगदान रहा

अर्थव्यवस्था में सेकेंडरी सेक्टर का सबसे अधिक 46.84 परसेंट का योगदान रहा है। दूसरे नंबर पर टर्सरी सेक्टर यानी की सर्विस सेक्टर रहा है। सर्विस सेक्टर का अर्थव्यवस्था में 43.17% योगदान रहा है। वहीं प्राइमरी सेक्टर यानी एग्रीकल्चर का अर्थव्यवस्था में 9.99% योगदान रहा है। उत्तराखंड में बेरोजगारी दर में भी भारी कमी देखने को मिली है। 21-22 में उत्तराखंड में 8.4 फीसदी बेरोजगारी दर थी, जो 22 23 में घटकर 4.9 फीसदी रह गई। वहीं बहुआयामी गरीबी में भी भारी गिरावट आई है। साल 2015-16 में उत्तराखंड में बहुआयामी गरीबी की दर 17.67 भेज दी थी जो साल 2019-21 में घटकर 9.67 फीसदी रह गई। उत्तराखंड में 125000 लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। इसके विपरीत अभी तक 68 हजार 579 लखपति दीदी बनाई जा चुकी हैं।

गरीबों को साल में तीन गैस सिलिंडर मुफ्त

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
गरीब कल्याण के लिए सरकार ने 5658 करोड़ का प्रावधान किया है। वहीं सरकार अन्नपूर्ति योजना पर 600 करोड़ और पेंशन पर 1783 करोड़ खर्च करेगी। गरीबों को साल में तीन गैस सिलिंडर मुफ्त मिलते रहेंगे तो सस्ती दरों पर नमक भी मिलेगा। बजट में गरीबों के कल्याण से जुड़ी इन योजनाओं के लिए सरकार ने 5658 करोड़ का प्रावधान किया है।

21 फरवरी को गंगा में बहे युवक का शव किया बरामद

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
लक्ष्मण झूला थाना अंतर्गत पशु लोक बैराज से विगत 21 फरवरी को गंगा नदी में बहे युवक के शव को एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू कर बरामद कर लिया।
एसडीआरएफ के प्रभारी कविंद्र सजवाण ने बताया कि गत 21 फरवरी को 12:30 राम झूला पुल से एक व्यक्ति गंगा नदी में बह गया था। स्थानीय लोगों की सूचना पर थाना लक्ष्मण झूला की एसडीआरएफ ने तुरंत सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया था, जिसका नाम राजपाल सिंह सन पुत्र जोत सिंह उम्र 45 साल ग्राम औणी पोस्ट ऑफिस नरेंद्र नगर जनपद टिहरी गढ़वाल बताया गया था।

इसके बाद एसडीआरएफ लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहा था। उक्त व्यक्ति का शव आज बुधवार की सुबह पशुलोक बैराज से बरामद किया गया। एवं परिजनों की शिनाख्त के बाद शव को पुलिस के सुपुर्द किया गया है। वह मामले की छानबीन में जुट गई है।

भाजपा ने लाभार्थी संपर्क अभियान के निमित्त योजना बनायी

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
जिला भाजपा कार्यालय हरिद्वार पर भारतीय जनता पार्टी ने आगामी 1 से 3 मार्च तक प्रत्येक बूथ पर चलाये जाने वाले लाभार्थी संपर्क अभियान के निमित्त योजना रचना बनाई। भाजपा कार्यकर्ता बूथ पर जाकर प्रत्येक लाभार्थी से संपर्क कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हुए लाभार्थियों के साथ संपर्क करेंगे।
लाभार्थी संपर्क अभियान की लोकसभा से संयोजक अन्नु कक्कड़ ने बयान जारी करते हुए कहा कि केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता आगामी 1 से 3 मार्च तक आवंटित बूथ पर जाकर केंद्र एवं प्रदेश सरकार

की योजनाओं से लाभान्वित हुए लाभार्थियों से प्रत्यक्ष संपर्क कर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी का शुभकामना पत्र देकर उनका सरकार के प्रति फीडबैक भी लेंगे।
लोकसभा संयोजक डॉ. जयपाल सिंह चौहान ने बताया कि हरिद्वार लोकसभा में लगभग 2 लाख लाभार्थियों से 10 हजार से भी अधिक कार्यकर्ता सीधा-सीधा संपर्क करेंगे।
जिला अध्यक्ष संदीप गोयल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए इस अभियान को गंभीरता से लेकर पूरा करने का काम करेंगे और इस अभियान के माध्यम से पार्टी का मत प्रतिशत बढ़ाने का काम करेंगे, ताकि आगामी लोकसभा चुनाव में पहले से अधिक अंतर के साथ जीत सुनिश्चित हो।
इस अभियान के जिला संयोजक मोहित वर्मा ने बताया कि पार्टी के सभी जन प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ पदाधिकारी निम्नवत जाकर अपने-अपने आवंटित बूथ पर कार्य करेंगे। जिसमें हरिद्वार विधायक मदन कौशिक बूथ संख्या 128, रानीपुर विधायक आदेश चौहान बूथ संख्या 142, पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद बूथ संख्या 95, पूर्व विधायक संजय गुप्ता बूथ संख्या 62, पूर्व विधायक सुरेश राठौडघ बूथ संख्या 42, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष लक्सर अमरीश गर्ग बूथ संख्या 30, पूर्व अध्यक्ष शिवालिक नगर राजीव शर्मा बूथ संख्या 94, जिला अध्यक्ष संदीप गोयल बूथ संख्या 93, लोकसभा संयोजक डॉ जयपाल सिंह चौहान बूथ संख्या 01, लोकसभा सहसंयोजक लाभार्थी संपर्क अभियान अनु कक्कड़ बूथ संख्या 168, पूर्व मेयर मनोज गर्ग बूथ संख्या 142 पर लाभार्थियों से संपर्क करेंगे।

कच्ची शराब बरामद के साथ चार गिरफ्तार

ड्रग्स फ्री मिशन

8 पुलिस ने 6.2 ग्राम स्मैक बरामद करते हुए तस्करी में प्रयुक्त बाइक को सीज कर दिया है।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत पथरी पुलिस ने एक आरोपित को सुभाषगढ़ तिराहे से बाइक से स्मैक तस्करी करते हुए स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से 6.2 ग्राम स्मैक बरामद करते हुए तस्करी में प्रयुक्त बाइक को सीज कर दिया है।
आरोपित का नाम नौशाद पुत्र फैजूल निवासी कासमपुर थाना पथरी जनपद हरिद्वार बताया गया है।
वहीं दूसरी ओर पुलिस टीम ने बुक्कनपुर तिराहे से ई रिक्शा में कच्ची शराब ले जाते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया। आरोपितों के कब्जे से 40 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। आरोपितों के नाम धर्मवीर, रणजीत पुत्रगण बूंदी राम व आकाश कुमार पुत्र सुखपाल निवासीगण शेखपुरी कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार बताए गए हैं। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकद्मा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।

नाबालिग का किया था अपहरण, गिरफ्तार

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
नाबालिग के अपहरण के आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अपृह्ता को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। जानकारी के मुताबिक जनपद की कोतवाली मंगलौर निवासी एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग पुत्री को आरोपित अभिषेक द्वारा बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के संबंध में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने नाबालिग की बरामदगी और आरोपित की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार करते हुए अपहता को सकुशल बरामद कर लिया है।

बहुमत के आधार पर सत्र भी चलाना चाहती है सरकार: पूर्व नेता प्रतिपक्ष

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड सरकार की बजट को लेकर पूर्व नेता प्रतिपक्ष चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने कहा कि इस बजट से महंगाई कैसे खत्म होगी। इससे तो अर्थव्यवस्था भी पटरी पर आने की उम्मीद नहीं है। कहा कि कार्य संचालन नियमावली से सदन का संचालन नहीं किया जा रहा है। सत्ता पक्ष के पास जवाब देने के लिए कुछ नहीं है। उत्तराखंड कर्ज में डूबता जा रहा है। बजट में किसानों और नौजवानों के लिए कुछ नहीं है।
पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह ने बुधवार की सुबह विधानसभा जाते समय हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि बजट में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की बात की जा रही है। सरकार बताए, उद्योग कहां लग रहा है। आवाम पर कर्ज का बोझ बढ़ रहा है। गरीब और कमजोर के लिए कोई कल्याणकारी योजना नहीं है।
जीरो टॉलरेंस की बात करने वाली सरकार की भूमिका समझ से परे-
पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि नियम 310 के तहत सवाल उठाएंगे। भाजपा का असली चेहरा दिख रहा है। विपक्ष भ्रष्टाचार को लेकर सरकार को आईना दिखाने का काम करेगी। सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। उच्च न्यायालय ने उद्यान सहित तीन मामले में सरकार को सीबीआई जांच के लिए टिप्पणी की है। यह राज्य के लिए चिन्ताचनक

है। देवभूमि मेट्रो ट्रेन लाया जा जा रहा है, जो ठीक नहीं है। इस विषय को उठाया जा रहा है। जीरो टॉलरेंस की बात करने वाली सरकार की भूमिका समझ से परे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल राज्यसभा चुनाव में जो हुआ, दुःखद है। नेतृत्व को देखना चाहिए। कहीं न कहीं कुछ कमी है। जो भाजपा में चला जाता है, सब माफ हो जाता है-
भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। जो भाजपा में चला जाता है, सब माफ हो जाता है। भ्रष्टाचारी सारे भाजपा में ही हैं। सत्ता पाने के लिए भाजपा किसी भी स्तर पर जा सकती है। सरकार सीबीआई और इनकम टैक्स का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष विपक्ष को कमजोर करने का काम कर रही है। जब बदलाव आएगा तो इसका खामियाजा भाजपा को भी भुगतना पड़ेगा। सत्ता पक्ष बहुमत के आधार पर सत्र भी चलाना चाहती है और सरकार भी।

मेमू एक्सप्रेस को वाया लक्सर चलाने की मांग, दिया ज्ञापन

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
कांग्रेस प्रदेश महासचिव राजेश रस्तोगी ने आज लक्सर उप जिलाधिकारी गोपाल सिंह चौहान के माध्यम से रेल मंत्री को प्रदेश कांग्रेस की ओर से एक ज्ञापन पत्र प्रेषित कर सहारनपुर से ऊना के बीच चलने वाली मेमू एक्सप्रेस ट्रेन को वाया लक्सर होते हुये हरिद्वार तक चलाये जाने का अनुरोध किया है।
इस अवसर पर रस्तोगी ने कहा कि सहारनपुर-ऊना स्पेशल मेमू एक्सप्रेस ट्रेन को काफी समय से हरिद्वार तक बढ़ाए

जाने का अनुरोध रेल मुख्यालय से किया जा रहा था। इस संबंध में स्थानीय जनता की मांग के आधार पर समाजसेवियों, राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों ने काफी समय से प्रयास किया था। उत्तराखंड निर्बल निर्धन विधिक सहायता समिति भी लिखा पड़ी कर रही थी। अब इस ट्रेन के हरिद्वार तक बढाएजाने की संभावना प्रबल हो गई है, लेकिन आज ज्ञापन पत्र प्रेषित कर रस्तोगी ने उक्त स्पेशल मेमू ट्रेन को वाया लक्सर होकर हरिद्वार तक बढ़ाये जाने का अनुरोध किया है।
ज्ञापन पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में श्रीमती ममता शर्मा, श्रीमती बीना रस्तौगी, पंडित देवेंद्र शर्मा, पंडित पवन त्रिपाठी, आस मोहम्मद, वैभव दीक्षित आदि शामिल थे।

बजट सत्र: सदन में राशन कार्ड बनाने में आ रही दिक्कतें और नंदा गौरी योजना लाभार्थियों के आए प्रश्न

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड विधानसभा बजट सत्र के तीसरे दिन बुधवार को सदन की कार्यवाही प्रश्नकाल के साथ शुरू हुई। इस दौरान राशन कार्ड बनाने में आ रही दिक्कतों को दूर करने के अलावा महिला बाल विकास, पर्यटन, खाद नागरिक आपूर्ति, खेल विभाग के प्रश्न आए। सदन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मौजूद हैं।
धनौल्टी विधायक प्रीतम सिंह पंवार ने अल्पसूचित प्रश्न में नंदा गौरा योजना के पात्र लाभार्थियों के आवेदन की स्थिति जानी। इस पर विभागीय मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि पात्र लाभार्थियों के भुगतान की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। नन्दा गौरा योजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2019-20 से योजना अन्तर्गत जन्म पर 11,000 और 12वीं उत्तीर्ण पर 51,000 दिया जाता है। वित्तीय वर्ष 2019-20 में कुल-44083 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया।
वित्तीय वर्ष 2020-21 में कुल-48527 लाभार्थियों और 2021-22 में 12841 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। वर्ष 2022-23 में गत वर्षों के अवशेष कुल-82601 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। कोई भी पात्र लाभार्थी योजना के लाभ से वंचित न रहने पाये, के हो उद्देश्य से योजनान्तर्गत नया प्रारूप जारी किया गया। वित्तीय वर्ष 2023-24 में योजना अन्तर्गत सभी आवेदन-पत्र ऑनलाइन आमंत्रित किये गये, जिसके परिणाम स्वरूप वर्तमान वित्तीय वर्ष में योजना अन्तर्गत कुल-39465 आवेदन-पत्र प्राप्त हुए हैं।
उप नेता प्रतिपक्ष और खटीमा विधायक भुवन कापड़ी ने उत्तराखंड कष्ट पर्यटन

विकास परिषद के अधीन साहसिक पर्यटन विंग के अन्तर्गत संविदा मे कार्यरत विषय विशेषज्ञों की पूर्व निर्धारित योग्यताओं/ न्यूनतम अर्हताओं की तुलना में नयी योग्यताओं/ न्यूनतम अर्हताओं के स्तर को परिवर्तित किया गया है। इस पर पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि जल, थल, वायु के पदों के लिए निर्धारित अहताओं में शासनादेश में 02 फरवरी को संशोधन किए गए हैं।
प्रमोद नैनवाल तारांकित प्रश्न में सवाल में पर्वतीय जनपदों में अभी भी अधिकांश गरीब परिवारों के राशन कार्ड में उनके यूनिट ऑन लाईन दर्ज नहीं हो पा रहे है, जिससे कई परिवारों को सरकारी सुविधा का लाभ नही मिल पा रहा है ? इस पर विभागीय मंत्री रेखा आर्य ने उत्तर दिया कि भारत सरकार जितने यूनिट दी है एक्टिव मोड़ में है। जब तक यूनिट रिक्त नहीं होता तब तक चढ़ाना संभव नहीं है। राज्य का 23 लाख से अधिक हिस्सा है उसका उपयोग हो रहा है। हर पात्र व्यक्ति रिक्त यूनिट से जुड़ेंगे इसके लिए निर्बाध रूप से ऑनलाइन जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। पिछले छह महीने में 3034 राशन कार्ड बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि 23 लाख 61 हजार 484 का राज्य में एक्टिंग राशन है।
प्रमोद नैनवाल के नंदा गौरा देवी योजना के सरलीकरण को लेकर प्रश्न किया। जिस पर मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि 07 हजार से अधिक लड़कियां घर बैठे आवेदन किया है। लंबा है जटिल नहीं है।
भाजपा विधायक बृजभूषण गैरोला ने तारांकित प्रश्न में पूछा कि पिछले छह माह से सफेद राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया बंद है। मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि छह माह में कुल 3,437 राशनकार्ड बनाये गये हैं। राज्य में कुल 21,948 लोगों ने खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत सफेद राशनकार्ड बनाने के लिए आवेदन किया है।
धर्मपुर भाजपा विधायक बिनोद चमोली ने पूछा कि 09 लाख उत्तराखंड में गरीबी रेखा से नीचे आये हैं। इन नौ लाख लोगों के स्थान पर पात्र लोगों को लाभ मिलना चाहिए। जिस पर मंत्री ने कहा कि इसका परीक्षण कराया जाएगा।
हल्द्वानी कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश ने महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री से महिला सशक्तिकरण के अन्तर्गत राज्य में कितनी योजनाओं का क्रियान्वयन हुआ है और इससे कितनी महिलाओं को लाभ मिला है ? इस पर मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि राज्य ने लगभग 12 योजना संचालित हो रही है।
कांग्रेस विधायक ममता राकेश के सेनेटरी पैड वितरण की जानकारी मांगी। जिस पर मंत्री ने बताया कि 2022-23 में 63 लाख सेनेटरी पैड वितरित किये गये हैं।
ममता राकेश के प्रश्न पर मंत्री ने बताया कि नंदा गौरा योजना के अंतर्गत 196 बालिकाओं के फर्जी आवेदन पाए गए। जिनके विरुद्ध सुसंगत धराओं में एफआईआर दर्ज कराई गई है। फर्जी लाभार्थियों को लाभान्वित नहीं किया गया। किसी अधिकारी और कर्मचारी की संलिप्तता नहीं पायी गई।
विधायक सुमित हृदयेश ने हल्द्वानी के समीप नव निर्मित स्टेडियम ने किन-किन खेलों की सुविधा दी जा रही है।

उत्तराखंड विस में आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड विधानसभा में आर्थिक सर्वेक्षण विधानसभा के पटल पर प्रस्तुत किया गया। वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत इस सर्वेक्षण के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था में वर्ष 2022-23 में अनन्तिम अनुमान के अनुसार 7.2 प्रतिशत की वृद्धि आंकी गई है जबकि वर्ष 2023-24 में विकास दर 7.3 प्रतिशत रहने की सम्भावना है।

प्रचलित भावों पर सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2022-23 में 272.40 लाख करोड़ रुपये तथा वर्ष 2023-24 में लगभग 296.57 लाख करोड़ आंका गया है। स्थिर भावों (आधार वर्ष 2011-12) पर जीडीपी वर्ष 2022-23 में 160.06 लाख करोड़ की तुलना में वर्ष 2023-24 में लगभग 171.78 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

वर्ष 2023-24 के दौरान मूल्य संवर्धन में वृद्धि मुख्यतः निर्माण उधोग (10.7 प्रतिशत), वित्त, रियल स्टेट एवं पेशेवर सेवाएं (8.9 प्रतिशत), बिजली, गैस, पानी ओर अन्य उपयोगी सेवायें (8.3 प्रतिशत), खनन एवं उत्खनन (8.1 प्रतिशत), लोक प्रशासन एवं अन्य सेवा (7.7 प्रतिशत), विनिर्माण क्षेत्र (6.5 प्रतिशत), तथा व्यापार, होटल, परिवहन एवं संचार सेवाएं, (6.3 प्रतिशत) में अनुमानित है। संरचनात्मक दृष्टि से वर्ष 2022-23 में प्राथमिक क्षेत्र का योगदान 20.32 प्रतिशत, द्वितीयक क्षेत्र का योगदान 25.56 प्रतिशत और तृतीयक क्षेत्र का योगदान 54.13 प्रतिशत रहने का अनुमान है। देश में प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2022-23 में 1,72,276 थी, जो वर्ष 2023-24 में 7.9 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ते हुए ? 1,85,854 होने का अनुमान है।

सर्वेक्षण के अनुसार राज्य अर्थव्यवस्था में वर्ष 2022-23 में अनन्तिम अनुमान के अनुसार 7.63 प्रतिशत की वृद्धि आंकी गई है जबकि वर्ष 2023-24 में विकास दर 7.58 प्रतिशत रहने की सम्भावना है। प्रचलित भावों पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वर्ष 2022-23 में 303.78 हजार करोड़ रुपये तथा वर्ष 2023-24 में लगभग 346.20 हजार करोड़ अनुमानित किया गया है। स्थिर भावों (आधार वर्ष 2011-12) पर जीडीपी वर्ष 2022-23 में 198.34 हजार करोड़ की तुलना में वर्ष 2023-24 में लगभग 213.37 हजार करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। वर्ष 2023-24 के दौरान मूल्य संवर्धन में वृद्धि मुख्यतः विनिर्माण क्षेत्र (13.86 प्रतिशत), परिवहन एवं संचार सेवाएं (10.64 प्रतिशत), वित्त, सेवाएं (8.90 प्रतिशत), निर्माण उद्योग (8 20 प्रतिशत), व्यापार एवं होटल सेवाए (7.76 प्रतिशत), लोक प्रशासन एवं अन्य सेवा (6.75 प्रतिशत) तथा बिजली, गैस, पानी और अन्य उपयोगी सेवाएं (7.12 प्रतिशत) में अनुमानित है।

संरचनात्मक दृष्टि से वर्ष 2023-24 में प्राथमिक क्षेत्र का योगदान 9.99 प्रतिशत, द्वितीयक क्षेत्र का योगदान

46.84 प्रतिशत तथा तृतीयक क्षेत्र का योगदान 43.17 प्रतिशत रहने का अनुमान है। राज्य में प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2022-23 में 2,30,994 रुपये थी, जो वर्ष 2023-24 में 12.64 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ते हुए ? 2,60,201 होने का अनुमान है।

राज्यपाल ने राजभवन में 'राजभवन आरोग्यधाम' का किया शुभारंभ

राज्यपाल ने कहा

8 इस केंद्र के माध्यम से लोगों को परंपरागत और आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों का लाभ मिलेगा

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने बुधवार को राजभवन परिसर में ह्यराजभवन आरोग्यधामह्ण का उद्घाटन किया। आरोग्यधाम में पंचकर्म, मर्म चिकित्सा, फिजियोथेरेपी केंद्र शामिल हैं।

इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि इस केंद्र के माध्यम से लोगों को परंपरागत और आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों का लाभ मिलेगा। इस आरोग्यधाम में आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा, जिसका लाभ राजभवन परिसर के सभी अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिजन ले सकेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि पंचकर्म चिकित्सा पद्धति की विशिष्टता है कि जो रोग अन्य औषधियों से उपचारित नहीं हो पाते, वे रोग पंचकर्म से सहजता से ठीक किए जा सकते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि हमारे ऋषि मुनियों द्वारा आयुर्वेद का यह जीवनोपयोगी उपहार हमें दिया गया है।

आज इनके महत्व को समझते हुए वैश्विक स्तर पर भी योग एवं आयुर्वेद को बड़े पैमाने पर अपनाये जाने लगा है, हम भी इसे अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाकर, स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मस्तिष्क दोनों प्राप्त कर सकते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि आरोग्यधाम को बहुत ही सुंदर तरीके से बनाया गया है, इसके लिए उन्होंने अधिकारियों की सराहना की।

उद्घाटन कार्यक्रम में पंचकर्म के सहभागियों ने रुक्ष पोटली स्वेद, पत्र पोटली स्वेद, जामबीर पोटली स्वेद, षष्टिकशाली पोटली स्वेद, जानु बस्ती, अग्निकर्म शलाका, जलोका वचारण, कपिंग चिकित्सा, नेत्र बस्ती, कटिबस्ती, और नस्य के उपयोग के बारे में भी जानकारी साझा की।

फिजियोथेरेपी के सहभागियों ने कहा कि यह एक विशेष सुविधा प्रदान करेगा जो अत्यधिक तनाव और दर्द को कम करने, संतुलन और शांति को बढ़ाने और शारीरिक व मानसिक संतुलन को बनाए रखने के लिए उपयुक्त है।

अब्दुल मलिक के कॉलेज गेट के आगे हिन्दूवादी संगठनों का प्रदर्शन

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
बनभूलपुरा हिंसा के आरोपित अब्दुल मलिक को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। जिला प्रशासन अब्दुल मलिक की संपत्ति का ब्योरा जुटा रहा है। दूसरी तरफ अब्दुल मलिक के ट्रस्ट वाले हल्द्वानी कमलुवागांजा स्थित नर्सिंग और बीएड कॉलेज के गेट के आगे युवा संकल्प समिति से जुड़े हिन्दूवादी संगठनों ने जोरदार प्रदर्शन किया और हनुमान चालीसा का पाठ किया।

हिन्दूवादी संगठनों के कार्यकताओं ने कहा कि संप्रदाय विशेष के लोगों द्वारा क्षेत्र में लगातार असामाजिक कृत्य किए जा रहे हैं। पूर्व में कई घटनाएं हो चुकी है। ऐसे में इन घटनाओं को रोक लगाई जाए।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चे भी सामान्य बच्चों के साथ ले सकेंगे समावेशी शिक्षा

कार्यशाला

8 कैपेसिटी बिल्डिंग यानी क्षमता संवर्धन करने हेतु कार्यशाला का आयोजन शुरू हो गया है।

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया
नैनीताल के प्रतिष्ठित विद्यालय बिड़ला विद्या मंदिर में बुधवार को सीबीएसई के तत्वाधान में अध्यापकों की ह्यकैपेसिटी बिल्डिंगह्ण यानी क्षमता संवर्धन करने हेतु कार्यशाला का आयोजन शुरू हो गया है। इस कार्यशाला का विषय ह्यइंक्लूसिव एजुकेशनह्ण यानी समावेशी शिक्षा है। कार्यशाला में अध्यापकों को

विशेष आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों को सामान्य छात्रों के साथ समान रूप से प्रतिभाग करने के लिये मानसिक रूप से तैयार करने के लिये प्रशिक्षित किया जा रहा है।बिड़ला विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य अनिल शर्मा ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य विभिन्न विद्यालयों के कार्यशाला में प्रतिभाग करने आये शिक्षकों की क्षमता का विकास करना है, जिससे वह अपने विद्यालयों में अध्ययनरत विशेष आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों को शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्यकलापों में अन्य सामान्य छात्रों के साथ प्रतिभाग करने के लिए मानसिक तौर पर तैयार करें। कार्यशाला में प्रतिभाग कर रहे नैनीताल और समीपवर्ती स्थानों के विद्यालयों के करीब 50 शिक्षकों को देहरादून से आई हुई शिक्षाविद गीता शुक्ला एवं गुरु नानक पब्लिक स्कूल रामनगर के प्रधानाचार्य हिमांशु जोशी द्वारा विभिन्न रोचक और शिक्षाप्रद गतिविधियों के माध्यम से इस हेतु तैयार किया जा रहा है कि वह अपने विशेष आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों के हितों के लिए कक्षाओं में उचित वातावरण विकसित कर सकें। फलस्वरूप कक्षा में सभी बच्चों को समावेशी शिक्षा प्रदान की जा सके। कार्यशाला में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। कार्यशाला में बिड़ला विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य श्री शर्मा के साथ धीरज भट्ट तकनीकी सहयोग प्रदान कर रहे हैं, जबकि संचालन दीपक पांडे द्वारा किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

केंद्र की मुहिम से हरिद्वार में एफएसडब्ल्यू वैन के माध्यम से की गई दूध की सैम्पलिंग

हरिद्वार
खाद्य पदार्थ हमारे जीवन में काफी महत्वपूर्ण हैं। इसकी क्वालिटी अच्छी हो तो हमारे शरीर को पोषण मिलता है। इसी को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एफएसडब्ल्यू वैन का शुभारंभ किया है। इसके द्वारा पूरे देश भर में खाद्य पदार्थों की जांच की जा सकेगी।

उत्तराखंड में केंद्र सरकार ने दो एफएसडब्ल्यू वैन दी गई है, जिसके माध्यम से उत्तराखंड में खाद्य पदार्थों की जांच की जा रही है। होली का समय नजदीक आ रहा है, इसी को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा आज लालढांग क्षेत्र में मौके पर ही दूध की सैंपलिंग की गई। साथ ही लोगों को जागरूक भी किया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी महिमानंद जोशी ने बताया कि 25 तारीख को प्रधानमंत्री मोदी ने एफएसडब्ल्यू वैन का शुभारंभ किया और उत्तराखंड को दो वैन प्राप्त हुई है। एक देहरादून में कार्य कर रही है, दूसरी वैन को हरिद्वार में खाद्य पदार्थ की जांच के लिए भेजी गयी है। टीम द्वारा ज्वालापुर क्षेत्र में सैंपलिंग की गई थी और आज लालढांग क्षेत्र में दूध की सैंपलिंग की गई, क्योंकि यहीं से भारी मात्रा में दूध की सप्लाई होती है। बताया कि ढाई दर्जन से ज्यादा सैंपलिंग की गई और जांच में सभी सैंपल सही पाए गए। स्थानीय लोगों को भी जागरूक किया गया कि वह खुद किस तरह से जांच कर सकते हैं।

खाद्य सुरक्षा विभाग के एफएसडब्ल्यू वैन के माध्यम से खाद्य सामग्री की सैंपलिंग को लेकर व्यापारी भी खुश नजर आए। व्यापारियों का कहना है कि भारत सरकार ने एफएसडब्ल्यू वैन के माध्यम से खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग की जो मुहिम चलाई है यह काफी अच्छी है।

गौरतलब है कि त्योहारों का सीजन आते ही नकली खाद्य सामग्री बड़े पैमाने पर बाजारों में बेची जाती है, जिस कारण लोग बीमार होते हैं। अब केंद्र सरकार की शुरू की गई एफएसडब्ल्यू वैन के माध्यम से खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग मौके पर ही की जाएगी, जिससे नकली खाद्य पदार्थ को पकड़ा जा सके। इस मौके पर दिलीप जैन सीनियर फूड सेफ्टी अधिकारी, योगेंद्र पांडेय फूड सेफ्टी अधिकारी रुड़की मौजूद रहे।

सुमित हृदयेश ने विस में उठाया बाघों के हमले का मुद्दा

देहरादून, 28 फरवरी (हि.स.)। कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश ने सदन में बाघों के हमलों से लोगों की मौत का मामला उठाया। उन्होंने बताया कि 2017 से अब तक 444 लोगों की मौतें बाघों के हमले से हुई। उन्होंने बताया कि कॉर्बेट में बाघों की संख्या 260 हो गई है।

हृदयेश के अनुसार वन्य जीव हर माह 20 हेक्टेयर फसलें हर माह बर्बाद कर देते हैं। बंदरों के आतंक से जनता परेशान है। प्रदेश में वन्यजीवों के आतंक से आम आदमी परेशान है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया है कि सरकार वन्य जीवों को लेकर सदन में नीति लेकर आएं।

नियम 310 को 58 में सुना गया-

नियम 310 को 58 के तहत सुन रही विधानसभा अध्यक्ष चकराता विधानसभा के हनौल मंदिर को जाने वाले वीनस अटाल मोटर मार्ग का मामला है। विपक्ष विधायक प्रीतम सिंह ने अपनी विधानसभा का मामला विधानसभा में उठाया। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में 22 का मोटरमार्ग की हालत बेहद खस्ता है। आय दिन हो रही सड़क दुर्घटना हो रहीं है। ऐसे में मार्ग बनेगा तो सुविधा बढ़ेगी, मार्ग बनने से हनौल मंदिर जाने में सुविधा होगी।

नेता प्रतिपक्ष ने उठाया वन विभाग का मामला-

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने वन विभाग का मामला उठाया जिस पर वन मंत्री सुबोध उनियाल ने सदन में जवाब दिया। उन्होंने बताया कि सरकार ने की है 900 फॉरेस्ट गार्ड व 300 वन दरोगाओं की भर्ती की है। वन्यजीव मौतों में अन्य जानवरों के अलावा बन्दर, ततैया, मधुमक्खियों को भी शामिल किया गया है।

मंत्री सुबोध उनियाल ने बताया कि वन्यजीवों द्वारा घरेलू जानवरों की मौत पर मुआवजा बढ़ाया है। मानव वन्यजीव संघर्ष रोकने को हेल्पलाइन बनाई गई है। उन्होंने कहा कि जर्मनी की सरकार से इसको लेकर मदद ले रहे हैं। बंदरों के बंध्याकरण को लेकर सरकार गम्भीर है। बंदरों की संख्या में पिछले 5 सालों में कमी आई है। पलायन की समस्या को रोकने के लिए बंदरों के बंध्याकरण को मिशन मोड़ पर लिया है।

बिजली घर को हटाकर मां गंगा पर पुल बनाए जाने की मांग को लेकर व्यापारियों ने की बैठक

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
मोती बाजार व्यापार मंडल, श्रवननाथ व्यापार मंडल के पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से पूर्व मंडी अध्यक्ष संजय चोपडा की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन कर पुरानी सब्जी मंडी चौक कुशा घाट मार्ग के साथ शमशान घाट खडखडी पंतदीप पार्किंग से जोडे जाने को लेकर दो नए पुलों के निर्माण की मांग को पुनः प्रमुखता से दोहराते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, हरिद्वार सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक को संयुक्त रूप से ईमेल द्वारा पत्र भेजकर मां गंगा पर दो नए पुल बनाए जाने की मांग की।

इस अवसर पर पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति अध्यक्ष, व्यापारी नेता संजय चोपडा ने कहा कि पूर्व में 2010 के कुंभ के दौरान 15 नंबर बिजली घर के सारे संयंत्र लालजी वाला में स्थापित किये जा चुके हैं। श्रवननाथ बाजार कुशा घाट मार्ग, मोती बाजार के व्यापारी अरसे से मां गंगा पर नए पुल के निर्माण की मांग करते चले आ रहे हैं।

उन्होंने कहाकि पूर्व में निगरानी कमेटी की बैठक में हरिद्वार के सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक द्वारा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया जा चुका है, लेकिन काफी समय बीत जाने के उपरांत अब तक लोक निर्माण विभाग द्वारा पुल बनाए जाने के स्थान सर्वे तक नहीं किया गया है। संजय चोपडा ने कहा शीघ्र ही दो नए पुलों के निर्माण की मांग को लेकर व्यापारियों के साथ लोक निर्माण विभाग के उच्च अधिकारियों का घेराव कर व्यापारियों की न्याय पूर्ण मांग को दोहराया जाएगा।

पुरानी बडी सब्जी मंडी चौक में आयोजित की गई बैठक में मोती बाजार व्यापार मंडल के महामंत्री राजेश खुराना, श्रवण व्यापार मंडल के महामंत्री अनुज कोठियाल, श्याम सुंदर सिंह राजपूत, कुंवर सिंह मंडवाल, संजय बंसल, राजू बिहार, राजेश दुआ, मनोज खुराना, अखिलेश सिंह, नितेश कुमार, राजेश अरोडा, प्रदीप कुमार, रामस्वरूप रतूडी, संजय भारद्वाज आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

चरस और गांजा के साथ नेपाली तस्कर गिरफ्तार

चंपावत/टीम एक्शन इंडिया
पुलिस ने भारी मात्रा में चरस और अफीम के साथ नेपाली तस्कर को गिरफ्तार किया। दो महीनों में अब तक 50 किलो से भी अधिक चरस, अफीम और गांजा बरामद हुआ। जिले के थाना बनबसा क्षेत्र से पुलिस ने 1 किलो 970 ग्राम चरस व 1 किलो 300 ग्राम अफीम के साथ 01 नेपाली तस्कर गिरफ्तार किया।बनबसा क्षेत्र के भारत-नेपाल मार्ग पिलर नं0 805/1 से 300 मीटर भारत सीमा के अन्दर से बनबसा पुलिस, एसओजी टीम और एसएसबी बनबसा की संयुक्त चेकिंग के दौरान अभियुक्त बलिराम बाटा मगर उर्फ गुमान बाठा पुत्र वीर बहादुर बाटा मगर, निवासी ग्राम रयाना को माल गिरफ्तार किया गया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का आंदोलन जारी

आंदोलन

8 विधानसभा सत्र में निर्दलीय विधायक उमेश कुमार ने महिला बाल विकास मंत्री से प्रश्न पूछा।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
आंगनबाड़ी कार्यकताओं को आंदोलन 10वें दिन भी जारी रहा। इस संदर्भ में विधानसभा सत्र में निर्दलीय विधायक उमेश कुमार ने महिला बाल विकास मंत्री से प्रश्न पूछा।

इस पर रेखा आर्य ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायकों के मानदेय में कोई बढ़ोत्तरी नहीं की जाएगी, जिसके

कारण उनमें नाराजगी है।

विधायक उमेश का कहना है कि महालक्ष्मी किट, चिप्स, अंडा, खजूर के लिए करोड़ों का बजट दिया जा रहा है, लेकिन जो उसे धरातल पर उतार रहा है। उनके लिए सरकार के पास पैसा नहीं है। आगंनबाड़ी कार्यकताओं की मांग है कि न्यूनतम मजदूरी 600 की जाए और वरिष्ठता के आधार पर 15 वर्ष पूरे होने पर मानदेय बढ़ा दिया जाए। रिटायरमेंट होने पर 5 लाख का प्रावधान दिया जाए। इंटर पास बहनों को 50 वर्ष पूरे होने पर मानदेय बढ़ाया जाए और गोल्डन कार्ड दिया जाए।

विज्ञान दिवस पर आयोजित हुईं विभिन्न प्रतियोगिताएं

आंदोलन

8 विधानसभा सत्र में निर्दलीय विधायक उमेश कुमार ने महिला बाल विकास मंत्री से प्रश्न पूछा।

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के थराली विकास खंड के तलवाड़ी महाविद्यालय में बुधवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।महाविद्यालय में आयोजित मॉडल निर्माण प्रतियोगिता में भावना पुरोहित प्रथम, रिया मौर्य द्वितीय, चन्द्रा तृतीय रही। पोस्टर प्रतियोगिता में हिमांशी प्रथम, पल्लवी और वंदना संयुक्त रूप से द्वितीय तथा

प्रेरणा तृतीय स्थान पर रही। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में जेसी बोस हाउस के प्रेरणा, मीनाक्षी एवं दिव्या प्रथम और जेवी नर्लीकर हाउस के सचिन, भूमिका, नंदन रनर अप रहे। विजेता प्रतिभागियों को महाविद्यालय की ओर से पुरस्कृत किया गया।इस अवसर पर केंद्रीय विद्यालय ग्वालदम के प्राचार्य अजय घिल्डियाल, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह, डॉ. प्रतिभा आर्य, शंकर राम, डॉ. ललित जोशी, डॉ. पुष्पा रानी, डॉ. निशा ढौंडियाल डॉ. कुलदीप जोशी आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

प्रतियोगिता

8 ज्ञान विज्ञान प्रतियोगिता में सारथी पुंडीर टीम प्रथम, अनुप बिष्ट टीम द्वितीय व अतुल टीम तृतीय रही

नई टिहरी/टीम एक्शन इंडिया
हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के एसआरटी परिसर परिसर बादशाही थौल में विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के दूसरे दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। द्वितीय दिवस छात्र-छात्राओं के लिए

व्याख्यान भी प्रस्तुत किए गये।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के दूसरे दिन भौतिक विभाग के प्रो आरसी रमोला व भूगर्भ विभाग के प्रो डीएस बागड़ी ने व्याख्यान में छात्र-छात्राओं को बताया कि उनके अनुसंधान से जहां एशिया के देशों को लाभ हुआ है, वहीं विश्व के विभिन्न देशों ने उनके द्वारा किए गए विकिरण प्रभाव पर अपने शोध से लाभ पहुंचा है। विभिन्न अभाव में और निरंतर विज्ञान के प्रति उनकी उत्सुकता से यह संभव हो पाया है। इसीलिए इन्हें विज्ञान के क्षेत्र में 1930 में नोबेल प्राइज दिया गया। प्रो पीडी सेमल्टी एवं प्रो. एनके अग्रवाल ने रमन के कार्यों का विस्तृत विवरण छात्र-छात्राओं के मध्य रखा।व्याख्यान में छात्र-छात्राओं को अवगत कराया कि डॉ रमन के कार्यों को छात्र-छात्राओं और नए वैज्ञानिकों को बताकर आगे आने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में पूरे भारतवर्ष में विज्ञान दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष में परिसर में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में समीक्षा बिष्ट बीएससी प्रथम, उपासना द्वितीय एवं शालिनी द्वारा तृतीय स्थान प्राप्त किया गया। स्लोगन प्रतियोगिता में लकी भारद्वाज प्रथम, सुनील परिहार द्वितीय व उपासना तृतीय स्थान पर रही। ज्ञान विज्ञान प्रतियोगिता में सारथी पुंडीर टीम प्रथम, अनुप बिष्ट टीम द्वितीय व अतुल टीम तृतीय स्थान पर रही।

प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को प्रो आरसी रमोला, प्रो. पीडी सेमल्टी, प्रो. एनके अग्रवाल, प्रो. डीएस बागड़ी, डॉ. केसी पेटवाल, डा. पूरन लाल मीणा, डा. एलआर डंगवाल, डा. दिलीप मीणा, डा. रविंद्र धरावत, डा. सुमन, डा. अर्पणा सिंह, प्रिया राय चौधरी, डॉ. प्रमोद जोशी, पुस्तकालयाध्यक्ष डा. हंसराज बिष्ट, डॉ. दिनेश नेगी, डॉ. शंकर लाल, डा. यूएस नेगी,अजय नेगी द्वारा पुरस्कृत किया गया।

जौनसार में कार दुर्घटना में छह की मौते

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के जौनसार इलाके के थाना त्यूणी क्षेत्र में बुधवार एक जबरदस्त हादसा हो गया।

इस हादसे में एक कार गहरी खाई में गिर गई। इससे कार सवार 06 व्यक्तियों की मौके पर ही मृत्यु हो गयी है जबकि एक युवक गम्भीर रूप से घायल है, जो चालक बताया जा रहा है। उसे रेस्क्यू कर पुलिस टीम ने राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र त्यूणी भेजा गया है। मृतकों के शवों को पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय लोगों की सहायता से खाई से बाहर निकाला गया है। पुलिस के अनुसार आल्टो कार

संख्या यू0के0-07-डीयू-4719 जो हिमाचल प्रदेश के पंद्राणु से दसौं जा रही थी, जब कार हणस्यूं गांव के पास पहुंची तो वह अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इसमें 35 वर्षीय संजू, सूरज, 24 वर्षीय शीतल, 21 वर्षीय संजना, 10 वर्षीय दिव्यांश और 5 वर्षीय यश सहित छह लोगों की मौत हो गयी । ये सभी सैंज गांव के निवासी थे, जबकि कार चालक 36 वर्षीय जीत बहादुर घायल है।

मृतकों का पंचायतनामा कर शवों को अग्रिम कार्रवाई के लिए राजकीय प्राथमिकी स्वास्थ्य केन्द्र त्यूणी भेजा गया है। यह सभी हिमाचल प्रदेश के सैंज गांव के निवासी थे, जबकि चालक 36 वर्षीय जीत बहादुर घायल है। पुलिस हादसे की जांच में जुट गयी है।

संपादकीय

आत्मनिर्भर भारत और बदलता कृषि परिदृश्य

देश आत्मनिर्भरता की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के आह्वान ने ग्रामीण जनजीवन की दिशा और दशा बदल दी है। खेती-किसानी की बात की जाए तो मोदी सरकार की 'एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी)' पहल ने कृषि परिदृश्य को बदल दिया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विशेषज्ञ इस पहल को आर्थिक तरक्की और सांस्कृतिक धरोहर के मधुर संगम के रूप में देख रहे हैं। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने राज्यसभा सत्र-262, अतारांकित प्रश्न क्रमांकझ 686, दिनांक-08 दिसंबर 2023 के आधार पर आत्मनिर्भर भारत के बदलते कृषि परिदृश्य पर कुछ उदाहरण देश के सामने रखे हैं। गुजरती फरवरी की शुरूआत में इस पहल पर शब्द चित्र से याद दिलाया गया कि 2018 में साहसिक दृष्टिकोण के साथ बोया गया बीज आज अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यह पहल क्षेत्रीय आर्थिक विभाजन को पाटती हुई लोगों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही है। ओडीओपी का उद्देश्य एकल प्रतिष्ठित उत्पाद के माध्यम से प्रत्येक जिले की अनूठी शक्ति की पहचान कर उत्पादन क्षमता को बढ़ाना और स्थानीय समाज को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है। आज यह पहल "वोकल फॉर लोकल" की खुशबू बिखेर रही है। कारीगर, किसान और उद्यमी सशक्त हो रहे हैं। चार साल में यह बीज तेजी से विकास करते हुए कोमल पौधे से हरे-भरे बगीचे की शक्ल ले चुका है। पीआईबी के अनुसार, या यूं समझिए कि ओडीओपी के परिश्रम का फल अब पक गया है। इसका मधुर स्वाद संबंधित समाज को मिलने भी लगा है। इस पहल ने देशभर के 760 से अधिक जिलों के एक हजार से अधिक उत्पादों की पहचान की है। हथकरघा, सुगंधित मसालों और उत्कृष्ट हस्तशिल्प की एक जीवंत तस्वीर 'पीएम-एकता मॉल' में देखी जा सकती है। यह मॉल गुजरात के नर्मदा जिले के केवडिया में 182 मीटर ऊंची 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' के पास यस्थित है। इसे 'हथकरघा और हस्तशिल्प में विविधता में एकता' की थीम पर विकसित किया गया है। यह मॉल 35,000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला है।

'एक जिला-एक उत्पाद ' की छत के नीचे बड़े बदलाव की उल्लेखनीय कहानियां सामने आई हैं। यह एकल प्रतिभा का आख्यान नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता और परस्पर सहयोग की जादुई शक्ति के साथ आगे बढ़ रहे सामूहिक विकास का मंगलगान हैं। इस पहल का बड़ा असर यह है कि कश्मीर की बफीर्ली हवाओं के बीच शोपियां का सेब विश्व तक पहुंचने की संभावनाओं से चमक रहा है। ओडीओपी का क्रांतिकारी स्पर्श, संबंधित जिलों और राज्यों को आर्थिक और आत्मनिर्भरता के धागों में पिरो रहा है। प्रधानमंत्री विकास पैकेज (पीएमडीपी), एसएमएएम और एमआईडीएच से उत्पादन बढ़ाने के सपने साकार हो रहे हैं। इसी के परिणाम स्वरूप उत्पादन में 20 प्रतिशत की शानदार वृद्धि हुई है। हिमालय के मनभावन दृश्यों के बीच रचा-बसा उत्तराखंड का उत्तरकाशी जिला तो आत्मनिर्भरता के लिए आवश्यक परिवर्तनकारी शक्ति पर विशेष जोर दे रहा है। यहां गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों, स्थानीय प्रशासनिक कर्मचारियों और 700 से अधिक किसानों को 15 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से जैविक खेती के लिए निपुण किया गया।

सीएए नागरिकता देने का कानून है, न कि छीनने का

आशीष वशिष्ठ

> ऐसे में अब प्रश्न उठता है कि यह कानून भलाई के रूप में सामने लाया जा रहा है तो अब तक इसे टाला क्यों जाता रहा? इसका विरोध क्यों किया जा रहा है? या विरोध कर कौन रहा है? दरअसल, पूर्वोत्तर के राज्य इसका विरोध इसलिए कर कर रहे हैं क्योंकि उनका तर्क है कि इन बाहर के लोगों को नागरिकता देने से उनके राज्य में भीड़ बढ़ जाएगी और उनकी परंपराएं, संस्कृति और तमाम रीति-रिवाजों पर बड़ा फर्क पड़ेगा। वे सब बिखर जाएंगे। वहीं सीएए का विरोध मुस्लिम समुदाय भी कर रहा है। वास्तव में, इस कानून में इन तीन देशों से आए मुसलमानों को नागरिकता देने से बाहर रखा गया है। कई आलोचकों का मानना है कि इस कानून से मुसलमानों से भेदभाव हो रहा है और ये भारत में समानता की संवैधानिक गारंटी का उल्लंघन करता है

नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए को लेकर पूरे देश में एक बार फिर से चर्चा तेज हो गई है। इससे पहले भी नागरिकता संशोधन कानून को लेकर कई बार विवाद देखने को मिल चुके हैं। इसकी लंबे समय से प्रतीक्षा थी कि नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए कब अमल में आएगा। क्योंकि जनवरी 2020 में राष्ट्रपति की मुहर लगने के साथ यह कानून अस्तित्व में आ गया था। सीएए कानून को लेकर उस वक्त देशभर में खूब विरोध प्रदर्शन हुआ था। विशेषकर पूर्वोत्तर के राज्यों में सीएए का सबसे ज्यादा विरोध देखने को मिला था। पूर्वोत्तर के सात राज्य सीएए कानून से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। वहां तोड़फोड़ की कारण करोड़ों की संपत्ति का नुकसान हुआ था। चार वर्ष की देरी के बाद यह प्रतीक्षा पूरी होने जा रही है। दरअसल, बीते दिनों कई अवसरों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बयान दिया है कि कि लोकसभा चुनाव से पहले सीएए को देश में लागू कर दिया जाएगा। यह कानून मुख्य रूप से गैर मुस्लिम देशों में प्रताड़ित होकर भारत आने वाले नागरिकों को भारत की नागरिकता प्रदान करेगा। इस कानून के लागू होने से भारत के तीन पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए उन लोगों को भारत की नागरिकता मिलेगी, जो दिसंबर 2014 तक अपने देशों में किसी न किसी प्रताड़ना का शिकार होकर भारत आ गए हैं। इन लोगों में गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यक हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शामिल हैं। दरअसल, ये लोग उन देशों में अल्पसंख्यक हैं। जाने किस त्रास या संकट में उन्हें उन देशों को छोड़ कर आना पड़ा। यहां के नागरिक न होते हुए भी दिक्कतों, मुसीबतों को गले लगाकर यहां जीवन बिताना पड़ रहा है। इसलिए इन सबको नागरिकता देकर यहां यानी भारत में सम्मान दिए जाने के इरादे से यह कानून लाया जा रहा है।

ऐसे में अब प्रश्न उठता है कि यह कानून भलाई के रूप में सामने लाया जा रहा है तो अब तक इसे टाला क्यों जाता रहा? इसका विरोध क्यों किया जा रहा है? या विरोध कर कौन रहा है? दरअसल, पूर्वोत्तर के राज्य इसका विरोध इसलिए कर कर रहे हैं क्योंकि उनका तर्क है कि इन बाहर के लोगों को नागरिकता देने से उनके राज्य में भीड़ बढ़ जाएगी और उनकी परंपराएं, संस्कृति और तमाम रीति-रिवाजों पर बड़ा फर्क पड़ेगा। वे सब बिखर जाएंगे। वहीं सीएए का विरोध मुस्लिम समुदाय भी कर रहा है। वास्तव में,

इस कानून में इन तीन देशों से आए मुसलमानों को नागरिकता देने से बाहर रखा गया है। कई आलोचकों का मानना है कि इस कानून से मुसलमानों से भेदभाव हो रहा है और ये भारत में समानता की संवैधानिक गारंटी का उल्लंघन करता है। विपक्ष का सबसे बड़ा विरोध यह है कि इसमें खासतौर पर मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाया गया है। उनका तर्क है कि यह संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है जो समानता के अधिकार की बात करता है। बता दें कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक बड़े वर्ग का कहना है कि अगर नागरिकता संशोधन कानून 2019 को लागू किया जाता है तो पूर्वोत्तर के मूल लोगों के सामने पहचान और आजीविका का संकट पैदा हो जाएगा। जानकारों की मानें तो इस कानून में किसी भी भारतीय, चाहे वह किसी मजहब का हो, की नागरिकता छीनने का कोई प्रावधान नहीं है। भारत के मुस्लिमों या किसी भी धर्म और समुदाय के लोगों की नागरिकता को इस कानून से कोई खतरा नहीं है। यह कानून उन लोगों पर लागू होगा, जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत आए थे। इसमें प्रवासियों को वह अवधि साबित करनी होगी कि वे इतने समय में भारत में रह चुके हैं। उन्हें यह भी साबित करना होगा कि वे अपने देशों से धार्मिक उत्पीड़न की वजह से भारत आए हैं। वे लोग उन भाषाओं को बोलते हैं, जो संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल हैं। उन्हें नागरिक कानून 1955 की तीसरी सूची की अनिवार्यताओं को भी पूरा करना होगा। इसके बाद ही प्रवासी आवेदन के पात्र होंगे। लंबे समय से भारत में शरण लेने वालों को इससे बड़ी राहत मिलेगी।

जहां तक विपक्ष के विरोध का सवाल है उसका कहना है कि इस कानून में मुस्लिमों को वंचित क्यों रखा गया? यह समानता के कानून का उपहास उड़ाने की तरह है। सरकार का कहना है कि जिन देशों के शरणार्थियों को नागरिकता देने का प्रावधान किया जा रहा है, वहां मुस्लिम अल्पसंख्यक नहीं, बल्कि बहुसंख्यक हैं। इसलिए उन्हें इस देश में यानी भारत में नागरिकता देने का कोई मतलब नहीं है। वो उनके देश हैं, वे वहां खुशी से रहें। भारत सरकार वंचितों की मदद करना चाहती है, इसलिए इन तीनों देशों के वे गैर मुस्लिम नागरिक जो वर्षों पहले यहां आ गए थे उन्हें सम्मान दिया जा रहा है।

इसमें गलत क्या है? लेकिन अब विपक्ष के इस विरोध में ज्यादा दम नहीं रहा। यही वजह है कि जल्द ही इस कानून को लागू करने की कवायद की जा रही है। हो सकता है इसी महीने। संसद ने दिसंबर 2019 में संबंधित विधेयक को मंजूरी दी थी और बाद में राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद इसके विरोध में देश के कुछ हिस्सों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे। सीएए को लेकर देश में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली थीं। कई राजनीतिक दलों ने भी इसका विरोध किया था। इस वजह से सरकार ने रूल्स फ्रेम करने में देरी की थी पर अब सीएए रूल्स का नोटिफिकेशन होम मिनिस्ट्री ने जारी करने की पूरी तैयारी कर ली है। सीएए बिल के संसद के दोनों सदनों से पास होने के बाद 4 राज्य इसके विरोध में विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर चुके हैं। सबसे पहले केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने दिसंबर 2019 में सीएए के खिलाफ प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि यह धर्मनिरपेक्ष नजरिए और देश के ताने-बाने के खिलाफ है। इसमें नागरिकता देने से धर्म के आधार पर भेदभाव होगा। इसके बाद पंजाब और राजस्थान की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने विधानसभा में सीएए के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया। चौथा राज्य पश्चिम बंगाल था, जहां इस बिल के विरोध में प्रस्ताव पारित किया गया। 2019 में संसद द्वारा पारित सीएए का ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी विरोध कर रही है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था- बंगाल में हम सीएए, एनपीआर और एनआरसी की अनुमति नहीं देंगे। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने दिसंबर 2021 में राज्यसभा में बताया था कि वर्ष 2018, 2019, 2020 और 2021 के दौरान पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए कुल 3,117 अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता दी गई। हालांकि आवेदन 8,244 मिले थे। वहीं गृह मंत्रालय की 2021-22 की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल-दिसंबर 2021 में कुल 1,414 विदेशियों को भारतीय नागरिकता दी गई। मीडिया से मिल रही जानकारी के अनुसार नियम तैयार हैं और ऑनलाइन पोर्टल भी तैयार है, क्योंकि पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। आवेदकों को वह वर्ष बताना होगा, जब उन्होंने यात्रा दस्तावेजों के बिना भारत में प्रवेश किया था.

आवेदकों से कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा।सीएए को लागू करने का वादा पश्चिम बंगाल में पिछले विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में भाजपा का एक प्रमुख चुनावी मुद्दा था। अच्छा होता कि यह काम और पहले कर दिया जाता, क्योंकि बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के जो अल्पसंख्यक जान बचाकर भारत आने में सफल रहे, वे यहां की नागरिकता पाने का इंतजार कर रहे हैं। उनकी संख्या अच्छी-खासी है। वे अल्पसंख्यक होने के कारण ही इन तीनों देशों में प्रताड़ित किए गए। उनके पास प्रताड़ना से बचने के लिए भारत आने के अलावा और कोई उपाय नहीं था। इस मुद्दे पर राजनीति होना दुर्भागयपूर्ण ही कहा जाएगा। आखिरकार यहां प्रश्न उन हजारों लोगों की जिंदगियों का है जो भारत की नागरिकता लेकर सुख शांति से जिंदगी बिताना चाहते हैं।

कविता

"झूमता बसन्त है"

फूलों में, कलियों में, पत्तो में, फलियों में,
गाँव की गलियों में, प्यार के छलियों में,
झूमता बसन्त है।

रंगों में, अंगों में, प्रेम के प्रसंगों में,
बागों में, बहारों में, गांवों में, बाजारों में,
झूमता बसन्त है।

बच्चों में, जवानों में, बूढ़ो में, सयानो में,
दीवानों परवानों में, मेरे-तेरे अरमानों में,
झूमता बसन्त है।

एक में, लाखों में, प्यार भरी आंखों में,
सरसों के फूलों में, प्रीत के झूलों में,
झूमता बसन्त है।

गेंदा में, गुलाब में, आफताब मेहताब में,
फितरत में, कुदरत में, मोहब्बत में, नफरत में,
झूमता बसन्त है।

हंसने में, मुस्काने में, अदा में इतराने में,
प्यार में, जलन में, विरह में, मिलन में,
झूमता बसन्त है।

नदियों में, पहाड़ों में, गर्मी में, जाड़ो में,
दिन में रात में, बातों ही बात में,
झूमता बसन्त है।

संजीव

टूम अर टूम रो टण्टो

पदमेश कुमार किसान

आज का महामानव मोहमाया के जंजाल में ऐसा जकड़ा है कि उसे गहनता से सोचने, समझने, मनन करने का या तो समय नहीं है या वह इसकी जहमत नहीं उठाना चाहता। ऐसे लगता है कि इंसान आधुनिकता की दिखावटी चक्काचौंध में चौंधिया गया हैं। आज वह एकांत में बैठकर अपने फिजूल खर्चों पर विचार करने की हिम्मत नहीं करता अगर कोई हिम्मत कर भी लेता है तो परिवार के सदस्य उसकी बात को फीकी बात, पुरातनपंथी सोच का ताना कसते हुए हाशिये पर डाल देते हैं जहां से वह पुनः उस बात को पुरजोर से उठा ही नहीं पाता है। जबकि आसमान छूती महंगाई के दौर पर एक आम व्यक्ति अनावश्यक खर्चों पर अंकुश लगाकर ही पार पा सकता है। आज हम अपने को परिवार, समाज, रिश्तेदारों में बड़ा धनाढ्य दिखाने के चक्कर में फिजूल खर्ची कर रहे हैं, जिनमें से कुछ रोजमर्रा के खर्चे होते हैं जिन पर कम धन खर्च होता है और कुछ खर्चे ऐसे होते हैं जो कभी-कभी किये जाते हैं लेकिन महंगे इतने होते हैं कि सालों की जमा पूंजी एक झटके में शून्य हो जाती है और हम कर्जदार हो जाते हैं।

सभी के घरों में ऐसा ही एक खर्चा है जिसे मां बोली में ह्लह्लटूमह्लह्ल यानि सोने के गहने कहते हैं। इस पर सबसे ज्यादा अनावश्यक खर्चा होता है जिसकी सहभागी बनती है हमारी मातृशक्ति। हमारी मां, बुआ, बहिन, पत्नी, बेटी शादी-विवाह, भात, छूछक, गृहप्रवेश इत्यादि अवसर आने से पहले ही घर के मुखिया को टूम(गहने) बनवाने के लिए माहौल तैयार करने लगती है। इसके लिए वो अपनी पड़ोसी व रिश्तेदारों का हवाला देती है कि उनकी बहू, बेटी के पास तो इस तरह की टूम(टेवटा, हार, मटरमाला, गजरा, बोरला, मांगटीका, गलकंठी, टड्डा, मैळ, हंसली, बाजूबंद, झूमका, इत्यादि) है। उसका डिजाईन बहुत बढ़िया है, मेरा डिजाईन बहुत पुराना हो गया, मुझे अब वह अच्छा नहीं लगता। इस तरह की तमाम बातें कही जाती हैं ताकि घर का मुखिया नई टूम करवाने की हामी भर दे। अगर मुखिया पैसे का बहाना करेगा तो तपाक से जबाव मिलेगा कि *पुरानी टूम दे दयो, थानै तो बस टूम गी घड़ाई देणी है यानि नये गहने का मैकिंगचार्जेज देना होगा, आखिर में महिला सदस्यों के भावनात्मक दबाव के आगे बिना विचार किये मैकिंगचार्ज के नाम से हां कहनी पड़ती है, क्योंकि हमारी तर्कशीलता इतनी विकसित नहीं है कि हम उसे तर्क के माध्यम से समझा सकें। हम अपने घर या आस-पड़ोस में देखते हैं कि सभी महिलाएं नियमित रूप से नाक में नथ या कोका,

कान में बाली या झुमका, गले में चैन या छोटा पैंडल, अंगूली में एक अंगूठी व पैर में पायल-बिछिया ही पहनती है और बाकी सोना (अनावश्यक) घर में कहीं छुपाकर रखने की परम्परा रही है। लेकिन आजकल सोने के भाव और डिजाईन खराब होने के भय से उन्हें बॉक्स सहित छुपाया जाना संभव नहीं है। इन गहनों के चोरी होन का भय हमेशा मन को चिंतित किये रहता है, कई बार गहनों पर झुंझाल आती है और लगता है कि *यह टूम कम और टण्टो ज्यादा है।

विचार

हद से निखर जाएगी त्वचा

शहनाज हुसैन

शहद सौन्दर्य और सेहत दोनों के लिए गुणकारी है आपका स्किन टाइप कैसा भी हो , त्वचा पर शहद की मालिश से त्वचा कोमल और मुलायम बनती है और त्वचा का रूखापन कम होता है / शहद त्वचा पर जादू की तरह काम करता है शहद का इस्तेमाल मास्क से लेकर नेचुरल मॉइश्चराइजर के रूप में किया जा सकता है।हमारी त्वचा को नमी चाहिए होती है।

मॉइस्चराइजर त्वचा को कोमल , स्वास्थ्यबर्धक और आकर्षक बनाए रखता है। त्वचा से जुडी समस्यायों के लिए शहद काफी फायदेमंद साबित होता है। शहद में आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम, सोडियमए अमीनो एसिड और एंजाइम जैसे विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं। इसमें विटामिन बी और सी भी होते हैं।शहद एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट भी है। शहद लगाने से एजिंग साइंस की समस्या जल्दी से नहीं होती है। शहद का इस्तेमाल तैलीय त्वचा से लेकर सामान्य त्वचा पर किया जा सकता है। त्वचा में निखार के लिए दो चमच्च शहद में चुटकी भर हल्दी मिलाकर बने फेस पैक को 20 मिनट चेहरे पर लगाने के बाद ताजे पानी से धो डालिये / इससे चेहरे की रंगत में निखार आएगा / इसे आप हफ्ते में दो बार लगा सकती हैं कांच के बाउल में समान मात्रा में शहद और निम्बू रस मिलाकर इसमें चुटकी भर हल्दी मिलाकर इस तरह मिश्रण बनाएं की स्मूथ पेस्ट बन जाये / इस पेस्ट को चेहरे पर लगा कर आधा घण्टा बाद ताजे पानी से धो डालिये / इसे आप रात में सोने से पहले नियमित रूप से प्रयोग करके त्वचा को कोमल और आकर्षक बना सकती हैं अगर आप चेहरे पर दाग ,धब्बों से परेशान हैं तो शहद काफी मददगार साबित हो सकता है / इसके लिए एलोवेरा जेल, हल्दी पाउडर और शहद को मिलाकर एक पेस्ट बना लें / इस पेस्ट को चेहरे पर लगा कर इसे प्रकृतिक रूप में सूखने दें और बाद में ताजे , सामान्य पानी से धो डालें एक चुटकी घर की पीसी हुई हल्दी , एक चम्मच शहद और उसमें दो चम्मच कच्चे दूध को मिलाकर चेहरे पर लगा लीजिये और 10 मिनट बाद ताजे पानी से धो डालिये / आप दूध में केसर भी मिला सकती हैं और ध्यान रखें की हल्दी घर की पीसी ही हो / इसके नियमित सेवन से चेहरे की आभा में निखार आएगा और त्वचा कोमल और मुलायम होगी

दो तीन चमच्च कच्चा दूध और इतनी ही मात्रा में कच्चा शहद लेकर इसका मिश्रण बना लें / इस मिश्रण को अपने चेहरे , गर्दन और शरीर के खुले भागों पर लगाए और अपनी उँगलियों से सर्कुलर मोशन में मालिश करें तथा आधा घण्टा बाद पानी से धो डालें /आप इसे दिन में दो बार उपयोग में ला सकते हैं

अगर आपकी शुष्क त्वचा है तो एक चमच्च ताजे दही में आधा चमच्च कच्चा शहद मिलाकर बने मिश्रण को अपने चेहरे और गर्दन पर लगा कर 10 -15 मिनट तक मालिश करें / इसे थोड़े देर बाद पानी से धो डालें / आप इसे दो तीन दिनों तक नियमित रूप से लगा सकती हैं और यह आपकी त्वचा की रंगत में निखार लाने के साथ ही त्वचा को कोमल और मुलायम भी बनाएगा

अगर आप मुलायम त्वचा पाना चाहती हैं तो शहद का उपयोग करें। यह त्वचा को पोषण देने का काम करता है। त्वचा पर शहद लगाने से त्वचा में निखार आना शुरू हो जाता है /

अगर आपकी त्वचा शुष्क है तो आप अपने चेहरे पर केवल शहद लगा सकती हैं। कम से कम 20 मिनट बाद सादे पानी से चेहरा साफ कर लें। आप चाहें तो शहद में नींबू के रस की कुछ बूंदे मिलाकर इसका उपयोग कर सकती हैं। ऐसा करने से आपका चेहरा मुलायम के साथ.साथ प्रकृतिक रूप से चमकने लगेगा। शहद से बना मास्क त्वचा को कई तरह से लाभ पहुंचाता है। आप घर पर ही हनी मास्क बना सकती हैं जो कि सभी प्रकार की त्वचा के लिए लाभदायक साबित होगा । चोकर में शहद और गुलाब जल डालकर इसका मास्क बना लें । इस मास्क को अपने फेस पर अच्छे से लगाकर सूखने तक रहने दें और बाद में ताजे स्वच्छ जल से धो डालें / शहद तैलीय और मिश्रित त्वचा दोनों के लिए फायदेमंद होता है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, दैनिक एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी

समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)

स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)

actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

बारहवीं कक्षा के बाद सही करियर कैसे चुनें?

विजय गर्ग

स्वयं को समझना: एक ठोस शुरूआत के लिए स्व-मूल्यांकन 12वीं के बाद सही करियर चुनने की जटिल यात्रा में, आत्म-मूल्यांकन एक कम्पास के रूप में उभरता है, जो हमें एक पूर्ण पेशेवर यात्रा की ओर मार्गदर्शन करता है। इस रास्ते पर चलने के लिए आत्मनिरीक्षण और रणनीति के मिश्रण की आवश्यकता होती है। आइए प्रमुख चौकियों के माध्यम से नेविगेट करें: रुचियों, जुनून और शौक की खोज: अपने उत्साह को उजागर करने के लिए अपने आंतरिक परिदृश्य में उतरें। जुनून, जो अक्सर सतह के नीचे छिपा होता है, गहन व्यवसायों में विकसित हो सकता है। आपके शौक आपके भविष्य के प्रयासों के बीज छुपा सकते हैं। ताकत, कौशल और कमजोरियों का आकलन करना: अपनी क्षमताओं का ऑडिट करना महत्वपूर्ण है। अपनी शक्तियों की पहचान विकास के लिए आधार प्रदान करती है। कमजोरियों को स्वीकार करना कोई झटका नहीं है, बल्कि कौशल को बढ़ाने या ऐसा करियर चुनने का मौका है जो उन्हें कम करता है।

व्यक्तित्व गुणों और मूल्यों पर चिंतन: एक सामंजस्यपूर्ण करियर आपकी पहचान के अनुरूप होता है। उन व्यक्तित्व लक्षणों पर विचार करें जो आपकी बातचीत में चमकते हैं। व्यक्तिगत और व्यावसायिक मूल्य वे स्तंभ हैं जिन पर एक पुरस्कृत करियर खड़ा होता है। परिदृश्य की खोज: कैरियर विकल्पों पर शोध लगातार विकसित हो रहे पेशेवर क्षेत्र में, सफलता की राह तय करने के लिए करियर विकल्पों पर शोध करना सर्वोपरि है। चाहे आप हाल ही में स्नातक हुए हों या किसी बदलाव पर विचार कर रहे हों,

इस खोज के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। व्यापक क्षितिज: विविध कैरियर क्षेत्रों और उद्योगों में गहराई से जाने से आपको पारंपरिक से परे विभिन्न संभावनाओं का पता चलता है। यह उन अव्यक्त रुचियों को उजागर करने में सहायता करता है जो आपकी आकांक्षाओं से मेल खा सकती हैं। संसाधनपूर्ण रास्ते: डिजिटल युग ने हमें प्रचुर मात्रा में ऑनलाइन संसाधन, करियर गाइड और उद्योग रिपोर्टें दी हैं।

बस मरता एक बार है...

डॉ. सुरेश कुमार

एक मास्टर जी जिंदगी भर पढ़ाने के लिए तरसते रहे। तरसते-तरसते इस दुनिया को अलविदा कह गए। मरते समय उन्होंने एक चिट्ठी लिखी थी। वही उनकी अंतिम निशानी और इच्छा थी। उसमें उन्होंने लिखा - मैं जब मर जाऊँ तो नाक के पास अंगुली लगाकर एक बार देख लेना कि कहीं जीवित तो नहीं हूँ। हाँ यह सब जेब देखने के बाद भी कर सकते हो। मतलब के बाद ही बेमतलब की चीजें करने में समझदारी समझी जाती हैं। मेरी सांसें मोहताज थी किसी की, उसे लेने में कोई शर्म नहीं है और न मुझे देने में। हाँ जेब की चीजें खुद से नहीं दे सकता। एटीएम कार्ड पड़ा है। निकाल लेना। तुरंत जाकर पिन झ एक तेरह सात दबा देना। वहीं से तुम्हारा मेरा साथ खत्म हो जाएगा। मुझे पैसों की चिंता नहीं है। चिंता तो मेरी चिता की है। एक अंतिम इच्छा है। हो सके तो पूरा कर देना। मेरे शव को दफनाते समय कफन की बजाय पुराने नोटबुक के कागज, पत्र-पत्रिका के पन्नों से मुझे ओढ़ा देना। कम से कम पढ़ने-लिखने के काम तो आयेंगे। कपड़े का क्या है। चिता को छू जाए तो कफन बन जाता है और जीते जी किसी भूखे-नंगे के बदन को ढक दे तो लाज बनकर शान बन जाता है। कम से कम इसी बहाने जाते-जाते कुछ बच्चों को मुस्कुराने का अवसर तो दूँगा। मैं न मुस्कुरा सका तो क्या हुआ, दुनिया में लाखों रुलाने वालों की तरह मैं उनकी गिनती में शामिल होने से बच जाऊँगा। यही एक पुण्य काफी है इस पापी दुनिया से बच बचाकर निकलने का। मुझे मिट्टी में मत दफनाना। वहाँ बड़ी घुटन होगी। जब तक जमीन पर था अधिकारियों की इसी घुटन का शिकार हुआ। अब सांसे तो क्या घुटना भी घुटने के लिए तैयार नहीं है। मिट्टी में कीड़े-मकौड़े होते हैं। यह धीरे-धीरे शरीर खा जाते हैं। यह उनकी आदत है, जबकि अधिकारियों की इनके विपरीत जल्दी-जल्दी खाने की होती है। इस मामले में कीड़े-मकौड़े बेहतर हैं। हो सके तो शव के साथ एक बस्ता धर देना जिसमें पेंसिल, रबड़, छिलनी के साथ-साथ ऐनक भी हो। सबसे जरूरी मोबाइल रखना बिल्कुल मत भूलना। हो सके तो एक साल का रिचार्ज करवा देना। वरना उबिया जाऊँगा। मैं आप लोगों के हाथ जोड़ता हूँ और पैर पड़ता हूँ कि मुझ पर फूल माला पहनाने की गलती भूल से भी मत करना।

न्यूज फ्लैश

मोबाइल चोरी करने वाला आरोपी काबू, मोबाइल बरामद

राजकुमार प्रिंस

करनाल। सीआईए टू की टीम ने विश्वसनीय सूचना पर आरोपी कुलदीप पुत्र जगदीश वासी अरडाना को चिड़ाओ मोड से काबू कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी कुलदीप के कब्जे से शिकायतकर्ता प्रमोद बंसला वासी सेक्टर 7, करनाल के टिंबर मार्केट स्तिथ गोदाम के ऑफिस से साल 2023 के 30 सितंबर को चुराया गया एंड्रायड मोबाइल बरामद किया गया।
इस संबंध में अज्ञात आरोपी के खिलाफ थाना शहर में चोरी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में आगामी पूछताछ में पाया गया कि आरोपी ने पैसों के लालच में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। आरोपी कुलदीप को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

8 बोतल देशी शराब सहित आरोपी काबू

राजकुमार प्रिंस

करनाल। थाना असंध की टीम ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर गांव रुकसाना से नरेश पुत्र सुंदर सिंह वासी सिरसल, कैथल को काबू किया। तलाशी लेने पर आरोपी से 8 बोतल देशी शराब बरामद की गई। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ थाना असंध में आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

चिरायु हरियाणा योजना का लाभ लेने के लिए आगे आएं नागरिक : यादव

राजकुमार प्रिंस

करनाल। उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से आयुष्मान भारत के तहत चिरायु हरियाणा योजना का विस्तार किया गया है, जिसके तहत ऑनलाइन आवेदन जमा करवाए जा सकते हैं। उपायुक्त ने बताया कि सरकार द्वारा 1.80 लाख से 3 लाख तक की वार्षिक आय वाले नागरिकों को भी आयुष्मान भारत योजना के तहत कवर किया गया है और अब ऐसे लोग भी आयुष्मान भारत योजना का लाभ लेने के हकदार हैं। योजना का लाभ लेने के लिए लाभार्थी को 1500 रुपए सालाना प्रीमियम अदा करना होगा। उन्होंने बताया कि पात्र व्यक्ति जिनकी आय 1.80 लाख से 3 लाख सालाना के बीच है वे सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या नजदीकी सीएससी सेंटर के माध्यम से या अपने मोबाइल से पोर्टल पर स्वयं भी आवेदन कर सकते हैं।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर प्रशासन चलाएगा जागरूकता अभियानः डीसी

पानीपत, कमाल हुसैन

उपायुक्त डॉक्टर वीरेंद्र कुमार दहिया ने जानकारी देते हुए बताया कि चुनाव का प्रतिशत बढ़ाने को लेकर पूरे जिले में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।
उपायुक्त ने बताया कि इस सन्दर्भ में 4 मार्च को जिला सचिवालय में जिला शिक्षा अधिकारी, सभी खंड शिक्षा अधिकारियों, सभी महाविद्यालयों के प्रिंसीपल, डीएलसी, कालेज के नोडल अधिकारियों की बैठक बुलाई गई है। बैठक में शेड्यूल बना कर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

'बैंकों के माध्यम से योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पंहुचाना करें सुनिश्चित'

राजकुमार प्रिंस

करनाल। एडीसी अखिल पिलानी ने सभी बैंक प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि गरीब लोगों के विकास के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पंहुचाना सुनिश्चित करें तथा बैंकर्स द्वारा लोन स्पोंसर्ड एप्लीकेशनों का 15 दिन के अंदर निपटारा किया जाए, ताकि गरीब लोग योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बन सकें।

एडीसी बुधवार को लघु सचिवालय के सभागार में डीएलआरसी बैठक की

अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पंहुचाने में बैंकों की भूमिका भी जिला प्रशासन से कम नहीं होती। जिला ग्रामीण विकास संस्था तथा बैंक प्रबंधन को मिलकर कार्य करना चाहिए।
उन्होंने सभी बैंक प्रतिनिधियों को निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना व पीएम स्वनिधि योजना के जितने भी केस शाखाओं में लंबित पड़ें हैं, उनका तुरंत निपटान किया जाए अन्यथा बैंक प्रबंधकों के खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। इसके साथ-साथ सभी बैंक प्रतिनिधि बैंक में आने वाले हर व्यक्ति के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करें। उन्होंने बैंकर्स को कहा कि अगर किसी बैंक में सिक्योरिटी चैक करने आता है तो एक रजिस्टर रखा जाना चाहिए।

बैठक में एलडीएम एस के हंडुजा ने एडीसी का स्वागत किया और मीटिंग के एजेंडे के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर एएसपी प्रबीना ने सभी बैंकर्स को बताया कि प्रत्येक बैंकर के पास अपने-अपने इलाके के एसएचओ के फोन नम्बर होने चाहिए और सभी बैंकर्स के साथ मोबाइल नम्बर शेयर किए जाएं।

इस अवसर पर नाबार्ड की तरफ से कुशलदीप, आरसेटी डायरेक्टर हरीश खरबंदा, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ संबंधित विभागों के अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने भाग लिया।

अनुसूचित जाति के किसानों को मिलेगा ट्रैक्टर पर अनुदान

राजकुमार प्रिंस

करनाल। उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2023-24 के दौरान अनुसूचित जाति के किसानों को ट्रैक्टर (45 एचपी व इससे अधिक) पर अनुदान देने के लिए आवेदन स्वीकार किए जा रहे है। जिला के अनुसूचित जाति वर्ग के इच्छुक किसान विभाग के पोर्टल पर 11 मार्च तक आवेदन कर सकते है।

कृषि उपनिदेशक डॉ. वजीर सिंह ने बताया कि लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में लाभार्थियों का चयन डीएलईसी के चेयर मैन एवं उपायुक्त की अध्यक्षता में ऑनलाइन ड्रॉ के माध्यम से किसानों के सम्मुख किया जाएगा। अनुदान का लाभ लेने के लिए किसानों का मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत होना आवश्यक है व किसान के पास कृषि भूमि होना भी आवश्यक है। कृषि भूमि का ब्यौरा राजस्व विभाग से सत्यापित करवा कर ऑनलाइन आवेदन करते समय अपलोड करना सुनिश्चित करें।
इसके अलावा आवेदन करने के लिए परिवार पहचान पत्र, पैन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक खाता, घोषणा पत्र एवं अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र की आवश्यकता होगी। पिछले पांच वर्षों के दौरान ट्रैक्टर पर अनुदान ले चुके किसान इस योजना में अनुदान लेने के पात्र नहीं होंगे।

मतदाताओं को ईवीएम के बारे में दिया गया प्रशिक्षण

राजकुमार प्रिंस

करनाल। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा आगामी लोकसभा के चुनावों के मद्देनजर मतदाताओं को ईवीएम के प्रति जागरूक करने के लिए जिला के विभिन्न गांवों में पहुंचकर मतदाताओं को ईवीएम के बारे प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

एसडीएम एवं करनाल विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी अनुभव मेहता ने बताया कि उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनीश यादव के निदेर्शानुसार शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के मतदाताओं को लोकसभा व विधानसभा चुनावों से पहले ईवीएम के माध्यम से मतदान करने का प्रशिक्षण जारी है। इसी कड़ी में आज कोढ़ी कॉलोनी में मास्टर ट्रेनरों द्वारा ईवीएम का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने लोगों से यह भी अपील की कि जिन युवक-युवतियों की आयु 18 वर्ष हो गई है, वे अपना वोट अवश्य बनवाए और अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने के लिए आगे आए। उन्होंने बताया कि वे अपना मत बिना किसी लालच, डर, भय के बिना करें और घबराए नहीं, क्योंकि प्रशासन उनके साथ है।

देशी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस सहित आरोपी काबू

राजकुमार प्रिंस

करनाल। सीआईए वन की टीम ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर नजदीक बस अड्डा नगला फार्म से आरोपी कन्हैया उर्फ कपिल पुत्र रमेश कुमार वासी गांव नगला फार्म को काबू कर गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक अवैध देशी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया। इस संबंध में आरोपी कन्हैया के खिलाफ थाना सदर में शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस पूछताछ में पाया गया कि आरोपी यह असला छह हजार रुपए में शौकिया तौर पर घोगड़ीपुर से किसी जानकार से लेकर आया था। आरोपी के खिलाफ पहले भी पोक्सो एक्ट के तहत एक मुकदमा दर्ज है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

छात्राओं को महिला अपराधों के बारे किया जागरूक

महिला हेल्पलाइन नंबर 1091 और डॉयल 112 की दी जानकारी

राजकुमार प्रिंस

करनाल। डीएसपी महिला सुरक्षा विजय कुमार के निर्देशन एवं महिला निरीक्षक राजेश लता के नेतृत्व में टीम द्वारा राजकीय स्कूल शेखपुरा सोहाना और मोहदीनपुर में जाकर छात्राओं को महिला सुरक्षा बारे जागरूक किया। महिला निरीक्षक राजेश लता ने बताया कि आज के समय महिलाओं के विरुद्ध बहुत ज्यादा अपराध बढ़ रहा है। महिलाओं का शोषण उनके घर में भी हो रहा है। समय बदलने के साथ अब महिलाओं को भी जागरूक होना जरूरी है। छात्राओं को गुड टच और बैड टच बारे भी सावधान किया। छात्राओं को यह भी ध्यान रखने को कहा कि स्कूल आते-जाते समय कोई उनका पीछा तो

नही कर रहा है। राजेश लता ने छात्राओं को अच्छी नजर और बुरी नजर के बारे भी सावधान किया। उन्होंने स्कूल की कुछ छात्राओं को विश्वास में लेकर उनसे उनकी वे समस्याएं जानी, जिनको छात्राओं ने अपने घर वालों को भी नहीं बताया हुआ था और उन समस्याओं को जानकर तुरंत उनका समाधान किया। स्कूल अध्यापकों के सुझाव अनुसार महिला निरीक्षक ने स्कूल छुट्टी के समय पुलिस पेट्रोलिंग सुनिश्चित करवाई।
पुलिस टीम द्वारा स्कूल छात्राओं को यह भी बताया कि महिला सुरक्षा के लिए जिला में दुर्गा शक्ति के नाम से टीम का गठन किया हुआ है। जो कि शहर में स्कूलए कॉलेजों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में हमेशा सहायता के लिए तत्पर रहती है।

सरकार की कल्याकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का करें कामः योगेंद्र

'प्रत्येक मंडल अध्यक्ष संगठन के साथ ही सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का काम करें'

राजकुमार प्रिंस

करनाल। भाजपा जिला अध्यक्ष योगेंद्र राणा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी एवं प्रदेश संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ से विचार विमर्श करने के बाद संगठनात्मक बदलाव करते हुए करनाल जिला के 4 मंडलों के अध्यक्ष नियुक्त कर दिए हैं। जिलाध्यक्ष द्वारा जारी की गई सूची मे अमर ठक्कर को करनाल विधानसभा के राम नगर का मंडल अध्यक्ष, बिशन सिंह को शहरी मंडल अध्यक्ष, नरेंद्र नरवाल को असंध विधानसभा के जुंडला मंडल अध्यक्ष, अनिल कुमार (दनियालपुर) को इंद्री विधानसभा

के कुंजपुरा मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा ने सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आशा है कि नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष अपने दायित्व का पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा पूर्वक निर्वहन करेंगें। इसके साथ ही उन्होंने नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को पार्टी की रीति-नीति के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि भाजपा की ओर से आम जन की समस्याओं को देखते हुए कई जन कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं, जिनका आमजन को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मंडल अध्यक्ष संगठन के साथ ही सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का काम करें।
इस मौके पर करनाल लोकसभा विस्तारक शशी दुरेजा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रवीण लाठर, जिला महामंत्री सुनील गोयल, वरिष्ठ भाजपा नेता कुलदीप शर्मा, अशोक जैन सहित अन्य मौजूद रहे।

असंध क्षेत्र में 25 करोड़ की लागत से 10 ओडीआर सडकों के सुधार को मंजूरी

राजकुमार प्रिंस

करनाल। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने करनाल जिले के असंध में 10 ओडीआर सडकों की विशेष मरम्मत और सुधार के लिए प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। इन सडकों पर 25 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस संबंध में एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि परियोजना के तहत 1.41 करोड़ रुपये की लागत से गांव जलमाना से चकमुंद्रिका गांव तक 2.3 किलोमीटर लंबी सडक का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त दादूपुर संपर्क सडक के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण पर 89.41 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसी तरह से गांव राहड़ा से लालैन तक सडक के पुनर्निर्माणए चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण पर 2.42 करोड़ रुपये, गांव बस्सी बीर बस्सी-एससी बस्ती की 80 मिमी इंटरलॉकिंग ब्लॉक सडक के निर्माण पर 72.71 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।
उन्होंने बताया कि गांव खेड़ी सरफली से राहड़ा तक 6.8 किलोमीटर लंबी सडक के सुदृढ़ीकरण पर 4.80 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसी तरह से 3.6 किमी तक लंबी गगसीना से ऐंचला सडक के सुदृढ़ीकरण पर 2.22 करोड़ रुपये, सालवन से डिडवाड़ा तक 3.5 किमी लंबी सडक के पुनर्निर्माण पर 3.55 करोड़ रुपये, असंध से डेरा गामा तक की सडक के सुदृढ़ीकरण पर 3.32 करोड़ रुपये, असंध से खिजराबाद तक 4 किलोमीटर लंबी सडक का सुदृढ़ीकरण पर 3.65 करोड़ रुपये, 1.5 किमी तक लंबी असंध बाई पास गुरुनानक चौक से ढोल चौक के सुदृढ़ीकरण पर 2.02 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

सभी प्ले वे स्कूलों का पंजीकरण किया गया अनिवार्य

कमाल हुसैन

पानीपतः पानीपत के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो में प्ले वे संचालित कर रहे या इच्छुक व्यक्तियों / संस्थाओ को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा छोटे बच्चो कि देख-रेख एवं शिक्षा नीति 2013 के तहत सभी प्ले वे स्कूलों का पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। जिसमे केवल 3 से 6 वर्ष के बच्चो को दाखिल मान्य होगा तथा सरकार के नियम निति हिदायतो एवं मापदंडो के तहत ही संचालन करना होगा।
महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी लक्ष्मी देवी ने जानकारी देते हुए बताया कि पूवज में संचालन कर रहे प्ले स्कूलों / केन्द्रों/ संस्थाओ के संचालको और नए पंजीकरण के इच्छुक व्यक्तियो एवं संस्थाओ के शैक्षणिक वर्ष 2024-25 पंजीकरण हेतू अपने आवेदन एक माह के अंदर 28 मार्च 2024 तक किसी भी कार्य दिवस में दस्ती या रजिस्टर्ड डाक से जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय, कमरा न0 213-14, द्वितीय तल, जिला सचिवालय, पानीपत में जमा करवा सकते हैं।
उन्होंने कहा कि किसी भी पूछताछ हेतू कायाज्लय में व्यक्तिगत सम्पकज किया जा सकता है तथा फॉमज व सम्बन्धित जानकारी विभागीय वेब साईट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूडॉटडब्ल्यूसीडीएचआरवाईडॉटजीओवीडॉटइन से भी देखे जा सकते है।
जिला कार्यकारी अधिकारी लक्ष्मी देवी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सभी माता-पिता अपने छोटे बच्चो (3 से 6 वर्ष) को उक्तानुसार केवल पंजीकृत प्ले स्कूलों में ही दाखिला करवाए। गैर पंजीकृत प्ले स्कूलों/ संस्थाओ पर तय समय सीमा 28 मार्च 2024 तक आवेदन न करने एवं निति को ना अपनाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जा सकती है।

'हर खेत स्वस्थ खेत स्कीम' के अंतर्गत हुआ प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

राजकुमार प्रिंस

करनाल। भूमि परीक्षण प्रयोगशाला असन्ध के द्वारा 'हर खेत स्वस्थ खेत स्कीमइ के अन्तर्गत आज गाँव पिचोलिया, निसिंग में किसानों के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता भूमि परीक्षण अधिकारी, असन्ध डा. सुरेंद्र टामक ने किसानों को मिट्टी जांच करवाने के लिए जागरुक किया।
उन्होंने नमूना लेने का सही तरीका बताया गया कि किस प्रकार से नमूना एकत्र करना है व जांच के उपरांत जो सॉयल हेल्थ

कार्ड किसानो को दिया जायेगा। उसके अनुसार अपने खेत में कौन सी फसल मे कितनी मात्रा में कौन-सी खाद का प्रयोग करना है, जिससे किसान अपना खर्च बचा सके व भूमि को भी नुकसान न हो और किसान भी आर्थिक हानि से बच सके इस इस बारे में जानकारी दी।

इसके अतिरिक्त कृषि निरीक्षक खुशीराम, एनालिटिकल एसोसिएट सुखबीर, विकास, देवेन्द्र एवं सुमित व कृषि पर्यवेक्षक आनंद ने भी समय-2 पर मिट्टी जांच करवाने बारे किसानों को जागरुक किया। उन्होंने बताया कि मिट्टी जांच से खाद, दवाई आदि की कितनी मात्रा डालनी चाहिए, इस बारे पता चलता है, जिससे किसानों का फसल पर कम खर्च आता है।
शिविर में सरपंच विरेन्द एवं किसान सुनील कुमार, तारा चाँद, रोशन लाल, हजारी लाल, महाबीर, रूपचंद, हरिराम, महासिंह, रामकुमार, कर्म सिंह, पाले राम, सतपाल, तेजपाल, आदि लगभग 80 किसानों ने भाग लिया।

शंकर हत्याकांड मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

रिमांड के दौरान पूछताछ में मामले में अन्य दो आरोपियों की भी संलिप्ता पाई गई

राजकुमार प्रिंस

करनाल। थाना शहर में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रभिना पी. ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा शंकर नाम के ड्राइवर की गोली मारकर हत्या करने वाले मुख्य आरोपी दिनेश कुमार उम्र 21 साल पुत्र जटउदास वासी उत्तम नगर करनाल को गिरफ्तार कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था। रिमांड के दौरान पूछताछ में मामले में अन्य दो आरोपियों की भी संलिप्ता पाई गई, जिसमें आरोपी अमरजीत कुमार पुत्र ज्ञानी दास वासी रघुकुंड लघुनिया जिला समस्तीपुर बिहार और राहुल पुत्र रूप सिंह वासी उत्तरप्रदेश हाल उत्तमनगर करनाल को गिरफ्तार किया गया।
उन्होंने बताया कि आरोपियों से आगामी

पूछताछ में पाया गया कि आरोपी दिनेश और शंकर पिछले चार साल से अच्छे दोस्त थे। जो कि एक दूसरे के घर आते जाते रहते थे। इस प्रकार दोनों में पैसे का लेनदेन भी होता रहता था। कुछ समय पहले शंकर ने आरोपी दिनेश से कुछ पैसे लिए थे जो कि आरोपी दिनेश बार-बार पैसे मांगने शंकर के घर आता था। परंतु शंकर समय पर पैसे नहीं लौटा पाया। पैसों के इस मामले को लेकर दोनों के बीच कई बार कहासुनी भी हो चुकी थी।
इस बात के लिए आरोपी दिनेश शंकर से

सफलता

8 आरोपियों से आगामी पूछताछ में पाया गया कि आरोपी दिनेश और शंकर पिछले चार साल से अच्छे दोस्त थे

रंजिश रखने लगा। 19 फरवरी के दिन तैश में आकर आरोपी दिनेश ने अपने दोस्त अमरजीत से पिस्तौल प्राप्त करके और अपने अन्य दोस्त राहुल जो कि पिकअप एचआर 45सी 2651 चला रहा था, के साथ बैठकर दीप एंटरप्राइजेज नियर नमस्ते चौंक पर जाकर शंकर के सिर में दो गोली मारकर उसकी हत्या कर वारदात को अंजाम दिया था। और वारदात के बाद आरोपी दिनेश और राहुल मौके से फरार हो गए थे। मामले के बारे में पता चलने पर मृतक शंकर की पत्नी प्रीति ने नामजद आरोपी के खिलाफ थाना शहर में शिकायत दी। शिकायत के आधार पर आरोपी दिनेश के खिलाफ थाना शहर में 19 फरवरी को शस्त्र अधिनियम और आइपीसी की धारा-302 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में थाना शहर करनाल की टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मामले में संलिप्त मुख्य आरोपी दिनेश, पिस्तौल उपलब्ध कराने वाले आरोपी अमरजीत और वारदात के समय साथ देने वाले आरोपी राहुल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

छात्रों के लिए आवासीय शिक्षा योजना लागू

राजकुमार प्रिंस

करनाल। एडीसी अखिल पिलानी ने बताया कि भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग ने शैक्षणिक वर्ष 2022-23 से उच्च विद्यालयों में छात्रों के लिए आवासीय शिक्षा योजना (श्रेष्ठ) लागू की है। इस पहल का उद्देश्य देश के सर्वश्रेष्ठ निजी आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से चुने गए अनुसूचित जाति के मेधावी लडकों और लड़कियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। एडीसी ने बताया कि इस योजना के तहत छात्र कक्षा 9 या 11 में प्रवेश ले

अनुदान

8 प्रवेशित अनुसूचित जाति के छात्रों की क्षमता बढ़ाने के लिए वार्षिक शुल्क का 10 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान

सकते हैं और 12वीं तक की शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्षए 3000 नए छात्रों को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित एनईटीएस के माध्यम से चुना जाता है और छात्र की योग्यता के आधार पर स्कूल आवंटन किया जाता है। अखिल पिलानी ने बताया कि इस योजना में चयनित स्कूलों को ट्यूशन और हॉस्टल फीस के लिए सीधे वित्तीय सहायता प्रदान की जाती हैए जो वास्तविक शुल्क या योजना दिशा-निदेर्शों में निर्दिष्ट सीमा से अधिक नहीं होती है। श्रेष्ठ स्कूल लाभार्थी छात्रों से कोई शुल्क या अतिरिक्त लागत नहीं लेते हैं। इसके अतिरिक्त प्रवेशित अनुसूचित जाति के छात्रों की क्षमता बढ़ाने के लिए वार्षिक शुल्क का 10 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि आगामी वर्ष 2024-25 के लिए, एनईटीएस अप्रैल 2024 में आयोजित होने की उम्मीद है।

सूखे मेवे हैं सेहत का खजाना

सूखे मेवे शरीर को सेहतमंद रखने के लिए सबसे बेहतर रहते हैं। सूखे मेवे स्वाद में बेहतर होने के कारण सभी को पसंद होते हैं। इनके सेवन से शरीर को कई प्रकार के लाभ मिलते हैं।

बादाम

बादाम एक ऐसा ड्राइ फ्रूट है जिसकी विशेषताएं खत्म होने का नाम ही नहीं लेतीं। इसे आप हर रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। सुबह उठकर 4-5 बादाम खाने से आपके शरीर कई तरह के रोगों से मुक्त रहता है।

किशमिश

किशमिश कैल्शियम और फाइबर का एक अच्छा स्रोत है। इसके रोजाना सेवन से शरीर की हड्डियां मजबूत रहती हैं साथ ही इसका सेवन शरीर में खून की कमी नहीं होने देता। इसके अलावा किशमिश खाने से गुर्दे की पथरी, एनीमिया, दांतों में कैविटी आदि रोग नहीं होते। इसमें ग्लूकोस और फ्रक्टोज पाया जाता है, जिससे शरीर को ऊर्जा मिलती है। दुबले-पतले लोगों के लिए इसका सेवन काफी लाभदायक होता है।

काजू

काजू विटामिन-ई से भरपूर होता है। विशेषज्ञों की मानें तो काजू में एंटी-एजिंग तत्व पाए जाते हैं जो आपकी सेहत से लेकर त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद सिद्ध होते हैं। काजू के सेवन से आपकी त्वचा तरोताजा रहती है और आपके चेहरे पर भी उम्र के संकेत नहीं दिखते हैं।

पिस्ता

पिस्ता हमारे स्वास्थ्य के लिये बहुत अच्छा होता है। इसमें मैग्नीशियम, कॉपर, रेशा, फास्फोरस और विटामिन बी जैसे तत्वों की भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। पिस्ता शरीर के कोलेस्ट्रोल को कम कर दिल से जुड़ी बीमारियों से आपकी रक्षा करता है।

अखरोट

अखरोट के आकार को ध्यान से देखा जाए तो यह ठीक मनुष्य के मस्तिष्क के आकार सा लगता है। जिससे जाहिर होता है कि अखरोट खाने से व्यक्ति का दिमाग तेज चलता है।

मखाना

मखाना खाने से सेहत को बहुत सारे लाभ मिलते हैं। मखाने के सेवन से तनाव कम होता है और नींद अच्छी आती है। रात में सोते समय दूध के साथ मखाने का सेवन करने से नींद न आने की समस्या दूर हो जाती है।

इस तरह अलग-अलग सूखे मेवे खाने से शरीर को कई तरह से लाभ प्राप्त होता है।

नमक की मात्रा कम रखें

जो लोग हाई ब्लडप्रेशर से पीड़ित हैं, उन्हें खानपान में नमक की मात्रा कम से कम करनी चाहिए। उन्हें नियमित तौर पर अपने ब्लड प्रेशर की जांच करनी या करानी चाहिए ताकि यह पता चल सके कि उनका ब्लड प्रेशर सामान्य रेंज में है या नहीं। यदि नहीं तो फिर डॉक्टर से परामर्श लेकर दवाओं की डोज तय कराएं। नियमित तौर पर अपने ब्लड प्रेशर की जांच करानी चाहिए। इससे यह पता चल सके कि उनका ब्लड प्रेशर सामान्य है या नहीं।

डॉक्टर से परामर्श लेकर दवाओं की डोज तय कराएं।

जो लोग हाई ब्लडप्रेशर से पीड़ित हैं, उन्हें खानपान में नमक की मात्रा कम से कम करनी चाहिए। उन्हें नियमित तौर पर अपने ब्लड प्रेशर की जांच करनी या करानी चाहिए ताकि यह पता चल सके कि उनका ब्लड प्रेशर सामान्य रेंज में है या नहीं। यदि नहीं तो फिर डॉक्टर से परामर्श लेकर दवाओं की डोज तय कराएं।

सर्दियों में दिल के दौरे के मामले बढ़े

सर्दियों में दिल का दौरा (हार्ट अटैक) पड़ने के मामले बढ़ जाते हैं। हृदय रोगियों को कड़ाके की ठंड से बचना चाहिए।

हाई ब्लडप्रेशर और हृदय रोगियों को टहलने की आदत को बरकरार रखना चाहिए, लेकिन उन्हें तड़के और देर शाम नहीं टहलना चाहिए।

खिली धूप निकलने के बाद ही टहलने जाएं।

जिन लोगों के दिल की मांसपेशियां कमजोर हो चुकी हैं, ऐसे लोगों में सांस लेने में तकलीफ की समस्या पैदा हो सकती है। इन लोगों के पैरों में सर्दियों के मौसम में पैरों में सूजन हो जाती है। ऐसे लोगों को कुछ ऐसी दवाएं दी जाती हैं, जिनसे मरीजों को पेशाब ज्यादा होता है, जिससे उनके शरीर में से अतिरिक्त पानी निकल जाता है।

इन पीड़ित लोगों के संदर्भ में अगर हृदय रोग विशेषज्ञ साल्ट कम लेने और पानी कम पीने की सलाह देते हैं, तो सर्दियों के मौसम में विशेषज्ञ की इस सलाह पर सख्ती से अमल करना चाहिए। अगर कोई भी तकलीफदेह लक्षण सामने आएं, तो शीघ्र ही हृदय रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें।

सर्दियों में सीने में संक्रमण, दमा और ब्रॉन्काइटिस की समस्याओं के गंभीर होने की आशंकाएं बढ़ जाती हैं। अगर कोई व्यक्ति पहले से ही हृदय रोग से ग्रस्त है, तो उपर्युक्त रोगों से उसकी हालत और भी खराब हो सकती है। ऐसी स्थिति आने के पहले ठंड से और प्रदूषण से बचने के लिए हरसंभव उपाय करें। शरीर को गर्म रखने के लिए पर्याप्त ऊनी वस्त्र पहनें। सांस संबंधी किसी भी तकलीफ के सामने आने पर शीघ्र इलाज कराएं। इस मौसम में कुछ विशेष तरह के संक्रमण ज्यादा खतरनाक होते हैं, जिनमें इंफ्लुएंजा और न्यूमोकोकल संक्रमण प्रमुख हैं। इनसे बचाव के लिए डॉक्टर से संपर्क कर टीका लगवाएं।

धीमा जहर : मोबाइल साइड में लेकर सोना

विज्ञान वरदान के साथ अभिशाप भी होता हैं। आज मोबाइल हमारे जीवन का अनिवार्य अंग बन गया हैं और जो उपयोग करते हैं वे मोबाइल के व्यसनी हो जाते हैं। यह सामान्य बात हैं और इस आदत के कारण हम शारीरिक ,मानसिक ,सामाजिक,आर्थिक और अनैतिकता के कारण अधिक हानियां उठा रहे हैं। इसका उजला पक्ष यह हैं कि हमारे बहुत सारे कार्य सम्पादित करने में सहायक होता हैं .

कभी कभी अपने समय की बात करे जब टेलेविज़न का चलन नहीं था और मात्र रेडियो ,समाचार पत्र, पत्रिकाएं ही एक मात्र जानकारियों ,सूचनाओं का स्त्रोत होता था ,तब पढ़ने ,लिखने ,मिलने, जुलने के अलावा समय भी बच जाता था पर आज हम कम -वक्त होने से कमब्खत होते जा रहे हैं आज सूचना की अधिकता हैं पर ज्ञान का आभाव हैं।

इसका उपयोग की अनिवार्यता हमने अपने आपको गुलाम / पराधीन बना लिया हैं जो हमारे भविष्य के लिए कितना लाभप्रद हैं यह व्यक्तिगत चिंतन मनन का विषय हैं ,तर्क बहुत हैं पर हम प्रत्यक्ष्य और अप्रत्यक्ष में प्रभावित हो रहे हैं और चुके हैं।

मोबाइल को सर के पास रखना घातक साबित हो सकता है। इससे निकलने वाले रेडिएशन के वजह से लंबे समय तक सेल फोन को सिर के पास रखने पर कई स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां हो सकती है।

हम में से बहुत से लोग सोते समय भी अपने मोबाइल फोन को खुद से दूर रखना पसंद नहीं करते हैं। ऐसे में या तो इसे तकिए के नीचे या अपने बिस्तर के पास रखते हैं। ऐसा करने के कई कारण हो सकते हैं। जिसमें से सबसे आम वजह है, इंटरनेट ब्राउज करते हुए सो जाना।जो आपके स्वास्थ्य को बिगाड़ने का काम कर रहा है। 65ब वयस्क और 90ज किशोर अपने फोन को लेकर सोते हैं।

ऐसा करना आपके लिए कितना नुकसानदेह हो सकता है। यदि आप थके हुए और बुरे मूड में जागते हैं, तो इसके पीछे की वजह भी आपका स्मार्टफोन ही होता है। सोने से ठीक पहले ब्लू-लाइट स्क्रीन का इस्तेमाल करने से आपकी नींद खराब हो सकती है।

मोबाइल फोन हानिकारक रेडिएशन का निकलते हैं, जो आपके मस्तिष्क को नुकसान पहुंचा सकते हैं। जिससे आप सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का अनुभव कर सकते हैं।

फोन रेडिएशन के ये भी हैं नुकसान

मोबाइल फोन रेडिएशन इरेक्टाइल डिसफंक्शन से जुड़ा हुआ है। इसके साथ ही आपके सेल फोन से निकलने वाली नीली रोशनी नींद पैदा करने वाले हार्मोन के उत्पादन को भी बाधित कर सकती है, जिसे मेलाटोनिन भी कहा जाता है। यह सर्कैडियन रिदम (बॉडी क्लॉक) को बाधित करता है, जिससे सोने में कठिनाई होती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने फोन से निकलने वाले आरएफ रेडिएशन को ग्लियोमा, एक प्रकार के मस्तिष्क कैंसर के बढ़ते जोखिम के आधार पर मनुष्यों के लिए कार्सिनोजेनिक के रूप में वर्गीकृत किया है।

जैसे ही आप फोन को दूर ले जाते हैं, रेडियो फ्रीक्वेंसी इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक फील्ड की ताकत जो फोन से जुड़ी होती है, बहुत कम हो जाती है। कोई विशिष्ट दूरी का पैमाना नहीं दिया गया है, लेकिन सलाह दी जाती है कि इसे कम से कम तीन फीट की पर रखकर इसके गंभीर परिणामों से बचा जा सकता है।

सोते वक्त फोन चलाने की लत ऐसे छोड़ें

जब आप सोने वाले हों तो फोन बंद कर दें या इसे साइलेंट पर रख दें। यदि आपको कॉल के लिए उपलब्ध होना आवश्यक है, तो अपने मोबाइल फोन को अपने बिस्तर से दूर रखें। अलार्म के लिए घड़ी का उपयोग करें। ऐसे लोग हैं जिन्हें सोने से ठीक पहले ई-बुक पढ़ने की आदत होती है। यह एक वास्तविक पुस्तक पढ़ें।जितनी सुखद अनुभूति वास्तविक पुस्तक पढ़ने में होती हैं और जो सम्बन्ध अपने आप से बनते हैं वे दूरगामी प्रभाव डालते हैं .

सुरक्षात्मक कदम उठाना लाभकारी होगा।

- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन भोपाल

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर होगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते है। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्यागें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यावसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उद्यम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। बच्चियों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते हैं जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाएं। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगों को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरुआत हो सकती है। स्थाई सम्पत्ति के निर्माण, मरम्मत व पुनर्स्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पत्ति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पत्ति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2750

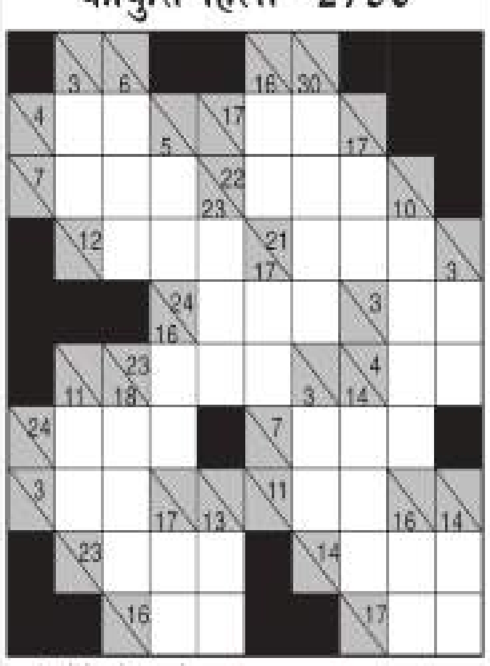

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्गों की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणार्थ:

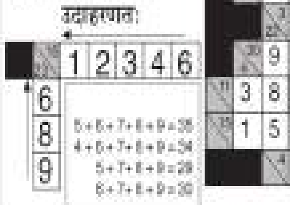

काकुरो - 2749 का हल

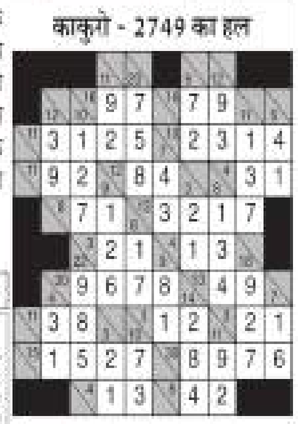

लॉफिंग ज़ोन

एक भिखारी सड़क के किनारे बैठा आवाज लगा रहा था. भगवान के नाम पर इस अंधे पर रहम करो. बाबा, आठ आने का सवाल है बाबा! वहां से गुजरते एक व्यक्ति ने भिखारी के सामने खड़े होकर कहा - कल तो तुम सामने वाले नुक्कड़ पर लॉटरी कि टिकट खरीद रहे थे और आज अंधे होने का ढोंग करके लोगों को धोखा दे रहे हो. शर्म नहीं आती?

भिखारी - काहे की शर्म? वह मेरी सिविल लाइफ थी और यह मेरी प्रोफेशनल लाइफ है.

☺ ☺ ☺

फुटपाथ पर कंघे बेचने वाला जोर-जोर से चिल्लाकर लोगों का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहा था - 'साहेबान, आप इस कंघे को हथौड़े से पीट सकते हैं, फर्श पर पटक सकते हैं, मोड़कर दोहरा भी कर सकते है...'

'भैया, क्या हम इससे बाल भी संवार सकते हैं?' एक व्यक्ति ने बीच में टोक कर पूछा.

☺ ☺ ☺

मेहमान (मेजबान से)- मैं कल वापस जा रहा हूं, आपको तो बुरा लग रहा होगा.

मेजबान - हां, बुरा तो लग रहा है, मुझे लग रहा था कि आप आज ही जा रहे हैं.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2750

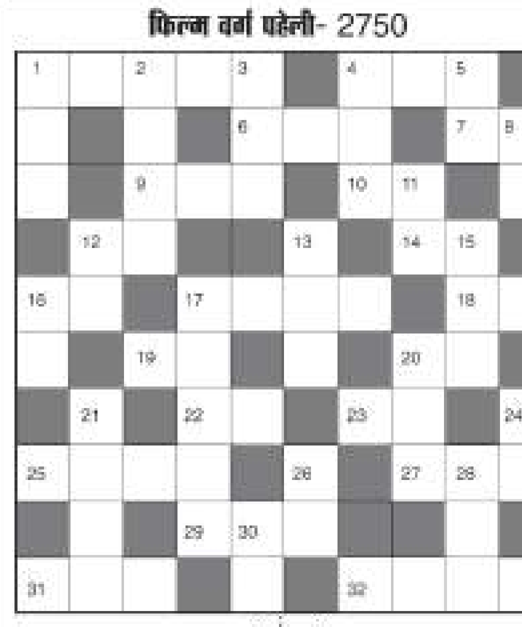

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये मैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
९. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
१. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-३
१४. 'झुकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गाना वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गाना वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'कोरी ना किताबें रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'रातें हैं काली' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर साहू की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गाना वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरुख ने दूंगी की भूमिका की थी-३
५. 'रातों में उड़ती जाए बिजली' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अकेले हम से हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी हुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन सावन झूला झूलूं' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लकी अली, सीरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-2749

सूडोकु -2750

सूडोकु -2749 का हल

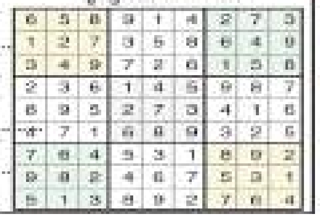

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

शब्द पहेली -2750

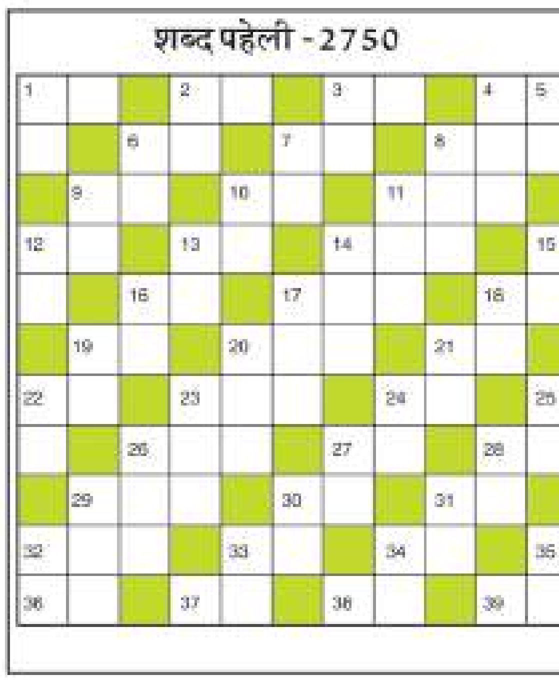

बाएं से दाएं

1.वस्त्र,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सलिल-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फेंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.नुचना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.लिहाज, रस्म-2
32.कष्ट, श्रम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुरी-2
36.चोट, घाव-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.मीना, मिट्ठा लीला-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विकास-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फेंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लौकि-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कुड़-3
27.अंगार-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.समोसा-2
31.खाली-2
32.पौधा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हठ-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली -2749 का हल

केएल राहुल के पांचवें टेस्ट मैच में खेलने पर भी लटकी तलवार, इलाज के लिए गए हैं विदेश

नई दिल्ली. धर्मशाला में इंडिया और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला 7 मार्च से होना है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई, चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट कुछ अन्य खिलाड़ियों को वर्कलोड की वजह से आराम देने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, एक चिंता और है कि अभी केएल राहुल पूरी तरह से फिट नहीं हैं। वे ट्रीटमेंट के लिए लंदन गए हैं। ऐसे में उनका पांचवें टेस्ट मैच में खेलना अभी पूरी तरह से संदेह के घेरे में हैं। हालांकि, जसप्रीत बुमराह की वापसी पांचवें टेस्ट मैच के लिए होने वाली है, जिनको चौथे मैच से आराम दिया गया था। क्रिकबज की मानें तो केएल राहुल को फरवरी के मध्य में राजकोट में तीसरे टेस्ट के लिए 90 प्रतिशत फिट माना गया था, लेकिन वे चौथा टेस्ट मैच पूरा होने के बाद भी पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं। यही कारण है कि बीसीसीआई और नेशनल क्रिकेट

एकेडमी (एनसीए) के प्रबंधकों को उनकी चोट का पुनर्मूल्यांकन करना पड़ा। उन्हें विशेषज्ञ की राय के लिए विदेश भेजा गया है और तब से करीब एक सप्ताह से उनका इलाज चल रहा है। इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती, लेकिन हो सकता है कि वह लंदन में किसी विशेषज्ञ से सलाह ले रहे हों। केएल सीरीज के पहले मैच में खेले थे, लेकिन दूसरे मैच में उनको आराम दिया गया था, लेकिन उनकी चोट में कोई फायदा नहीं हुआ तो वे अगले मैचों से बाहर हो गए। केएल राहुल की समस्या उनके दाहिने क्वाड्रिसेप्स में दर्द का होना है, जिसके लिए पिछले साल उनकी सर्जरी हुई थी।

यह समझा जाता है कि अभी भी उनको कुछ परेशानी है और टीम में उनके महत्व और टीम के लिए उनकी दोहरी भूमिका को देखते हुए, बीसीसीआई, चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट उनके साथ कोई जोखिम लेने के लिए तैयार नहीं है। यही कारण है कि धर्मशाला में खेले जाने वाले पांचवें टेस्ट मैच के लिए केएल राहुल की उपलब्धता अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, अच्छी बात ये है कि भारत सीरीज जीत गया है, लेकिन बीसीसीआई विचार कर रही था कि अगर केएल राहुल पांचवें टेस्ट मैच के लिए फिट होते हैं तो किसी एक अन्य बल्लेबाज को आराम दिया जा सकता है।

केएल राहुल के धर्मशाला में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जाने वाले पांचवें टेस्ट मैच में खेलने पर भी तलवार लटकी हुई है, क्योंकि वे अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं। उनका इलाज शायद इस समय लंदन में चल रहा है।

सिर्फ IPL ही खेल पाते हैं ये 5 क्रिकेटर्स, अब तो असंभव है टीम इंडिया में वापसी?

नई दिल्ली.एजेंसी

भारत दुनिया के सबसे बड़े देशों में से एक है। सवा सौ करोड़ से ज्यादा की आबादी में क्रिकेट का खेल यहां धर्म माना जाता है और क्रिकेटर्स भगवान की तरह पूजे जाते हैं। इस खेल में इतनी दौलत-शोहरत आ चुकी है कि छोटे बच्चे को भी उसके पिता बचपन में ही क्रिकेट बैट पकड़ा देते हैं। गली-मोहल्ले और मैदान पर टेनिस बॉल से क्रिकेट खेलते बड़ा हो रहा बच्चा भी भारतीय टीम से खेलने का सपना संजोता है। ऐसे में कॉम्पिटनशन कितना तगड़ा होगा आप समझ ही सकते हैं। सीनियर भारतीय मेंस टीम में जगह बनाने से ज्यादा मुश्किल है, जगह बरकरार रखना। इस आर्टिकल में हम आपको ऐसे ही पांच खिलाड़ियों के बारे में बताने जा रहे है जो एक वक्त टीम की जान हुआ करते थे, लेकिन बढ़ती उम्र, खराब फॉर्म और दूसरे वजहों के चलते आज टीम से बाहर हैं। अब उनके पास क्रिकेट के नाम पर सिर्फ आईपीएल ही बच गया है।

34 टेस्ट, 167 वनडे और 68 टी-20 इंटरनेशनल में 25 शतक और 55 अर्धशतक, ये आंकड़े किसी साधारण खिलाड़ी के तो हो ही नहीं सकते। दिसंबर 2022 में आखिरी वनडे मैच खेलने वाले शिखर धवन लगभग डेढ़ साल से टीम इंडिया से बाहर हैं। मौजूदा हालातों को देखकर लगता भी नहीं कि अब दोबारा वह ब्लू जर्सी में नजर आ सकते हैं। बाएं हाथ का आक्रामक ओपनर भी मान चुका है कि उनका वक्त गुजर गया। आईपीएल में पंजाब किंग्स की कप्तानी करने वाले शिखर धवन का अब एक ही सपना होगा कि अपनी टीम को टूर्नामेंट का पहला खिताब दिलाए।2007 में अपने करियर की शुरुआत करने वाले ईशांत शर्मा ने भारत को कई मैच जिताए।ऊंचे-लंबे कद के चलते उन्हें अच्छा बाउंस मिलता था, जिससे वह विदेशी दौरे पर कारगर साबित हुए। उम्र ढलने के साथ स्पीड जरूर कम हुई, लेकिन फिर ईशांत टेस्ट क्रिकेट में भारत के अहम हथियार बन गए। क्रिकेट के सबसे पुराने फॉर्मेट में उनके नाम 311 विकेट दर्ज हैं। टी-20 और वनडे टीम से पहले ही दरकिनार किए जा चुके ईशांत 2021 के बाद से कोई टेस्ट मैच भी नहीं खेले हैं।

हनुमा विहारी की सपोर्ट में उतरे आकाश चोपड़ा, बोले- उन्होंने टीम के लिए एक हाथ से बल्लेबाजी की है

नई दिल्ली. हनुमा विहारी ने हाल ही में आंध्रा क्रिकेट एसोसिएशन को लेकर एक बड़ा खुलासा किया था कि संघ ने एक खिलाड़ी की शिकायत पर उनसे कप्तानी छोड़ने के लिए कहा, क्योंकि उस खिलाड़ी के पिता राजनीति में है। बाद में उस क्रिकेटर का भी बयान आया और उसने आरोप लगाए कि हनुमा विहारी ने उनको सभी के सामने गाली दी थी। इसके बाद हनुमा विहारी ने टीम के बाकी खिलाड़ियों के साइन किए गए एक लेटर को भी दिखाया, जो उन्होंने संघ को सौंपा था। संघ ने कहा है कि उन्होंने मर्जी से कप्तानी छोड़ी। इस पूरे मामले पर पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने भी राय दी है।

एक तरह से आकाश चोपड़ा ने हनुमा विहारी का समर्थन किया है। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर शेयर किए गए वीडियो में कहा, इस समय एक-दूसरे पर कीचड़ उछाला जा रहा है। दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। इसमें सच क्या है और झूठ क्या है, ये पता नहीं है। आपको अपने खिलाड़ी पर भरोसा करना चाहिए। अगर कोई प्लेयर कुछ कह रहा है तो उसकी बात में दम है। हनुमा विहारी कोई आम खिलाड़ी नहीं हैं। हनुमा वह खिलाड़ी हैं, जिन्होंने एक हाथ से बल्लेबाजी की, जब उनके एक हाथ में फ्रैक्चर हो गया था।

उन्होंने आगे कहा उनकी यात्रा अविश्वसनीय रही है। उन्होंने आंध्रा को क्वॉलिफाई करने में मदद की है। उन्होंने टीम को एकजुट किया था। मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है, चाहे वह सिडनी मैच हो जहां उन्होंने हैमस्ट्रिंग इंजरी के साथ खेला और अपना करियर दांव पर लगा दिया और फिर उन्होंने आंध्रा के लिए एक हाथ से बल्लेबाजी की। मैं वास्तव में हनुमा विहारी के वर्जन पर विश्वास करना चाहूंगा। चोपड़ा को उम्मीद है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) इसमें शामिल होगा, ताकि हर चीज का निष्पक्षता से मूल्यांकन किया जा सके।

सचिन तेंदुलकर जम्मू-कश्मीर की सैर करके हुए गदगद, बोले- पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि...

नई दिल्ली. भारत के पूर्व बल्लेबाज और क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर हाल ही अपनी पत्नी अंजलि और बेटी सारा के साथ जम्मू-कश्मीर गए थे। वहां उन्होंने कई जगह घूमी। वे बल्ले बनाने वाली फैक्ट्री में भी गए, जहां से दुनियाभर में बल्ले जाते हैं। कश्मीर की लकड़ी से बने बल्ले दुनियाभर में फेमस हैं। इसके अलावा उन्होंने गुलमर्ग जैसे पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का मजा भी लिया। उसकी तस्वीरें भी उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की, जबकि अब उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की और अतुल्य भारत की तारीफ की। उन्होंने पीएम मोदी की बात को सही ठहराया कि देश में देखने को बहुत कुछ है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक जड़ने वाले सचिन तेंदुलकर ने एक वीडियो एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, -जम्मू-कश्मीर मेरी यादों में एक खूबसूरत अनुभव बना रहेगा। चारों ओर बर्फ थी, लेकिन लोगों के असाधारण आतिथ्य के कारण हमें गर्माहट महसूस हुई। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा कि हमारे देश में देखने के लिए बहुत कुछ है। विशेषकर इस यात्रा के बाद मैं उनकी इस बात से बहुत अधिक सहमत हूं। कश्मीर विलो बैट मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड का बढ़िया उदाहरण हैं। यहां के बल्लों ने दुनियाभर की यात्रा की है। अब मैं दुनियाभर के लोगों और भारत को सलाह देता हूं कि वे आएं और जम्मू-कश्मीर का अनुभव लें, जो देश के कई रत्नों में से एक है।

सचिन तेंदुलकर इस वीडियो में अपने फैंस से मिल रहे हैं, जबकि एक दिव्यांग क्रिकेटर से भी उन्होंने मुलाकात की। वे बैट बनाने वाली फैक्ट्री में भी गए और सड़क पर युवाओं के साथ क्रिकेट भी खेली। इसके अलावा वे वहां के कुछ मंदिरों में भी गए और वहां के कारीगरों से भी मिले, जो अलग-अलग चीजें बनाते हैं।

न्यूजीलैंड के दिग्गज केन विलियमसन तीसरी बार बने पिता, पार्टनर ने बेटी को दिया जन्म

नई दिल्ली.एजेंसी

न्यूजीलैंड की टीम के दिग्गज बल्लेबाज और पूर्व कप्तान केन विलियमसन तीसरी बार पिता बने हैं। उनकी पार्टनर सारा रहीम ने बेटी को जन्म दिया है। इसकी जानकारी केन विलियमसन ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए दी। केन विलियमसन पहले से ही दो बच्चों के पिता हैं, जिनमें एक बेटा और एक बेटी थी। अब उनका परिवार बड़ा हो गया है। उनके घर एक और बेटी आई है। इस तरह अब वे एक बेटे और दो बेटियों के पिता हैं। विलियमसन ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी और पार्टनर की फोटो शेयर करते हुए लिखा, और वे अब 3 हो गए हैं। इस खूबसूरत लड़की का इस दुनिया में स्वागत है। आपके सुरक्षित आगमन और आगे की रोमांचक यात्रा के लिए बहुत आभारी हूं। केन विलियमसन और सारा रहीम ने शादी नहीं की है, लेकिन दोनों करीब 9 साल से रिलेशनशिप में हैं। हालांकि, दोनों को अब तक तीन बच्चे हो चुके हैं, लेकिन आधिकारिक तौर पर शादी नहीं की।

यही कारण था कि केन विलियमसन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का हिस्सा नहीं थे। वे साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेले थे, लेकिन इसके बाद पैटरनिटी लीव पर चले गए थे। हालांकि, वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार 29 फरवरी से होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में खेलते हुए नजर आ सकते हैं। केन विलियमसन ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में दमदार बल्लेबाजी की थी और दो शतक जड़े थे।ऐसे में कीवी टीम के नए कप्तान टिम साउदी को उम्मीद होगी कि विलियमसन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भी रन बनाएं।

विराट कोहली लंदन में, लेकिन बेंगलुरु में सुनाई दी उनके नाम की गूंज

नई दिल्ली.एजेंसी

भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली इस समय लंदन में हैं। उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा ने बेटे को जन्म दिया है, जिसका नाम उन्होंने अकाय रखा है। विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से हट गए थे, क्योंकि वे अपने दूसरे बच्चे के जन्म के समय अपनी पत्नी के साथ रहना चाहते थे। विराट कोहली इस समय भले ही लंदन में हैं, लेकिन बेंगलुरु में उनके नाम की गूंज सुनाई दी, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल है।दरअसल, बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में वुमेंस प्रीमियर लीग यानी डब्ल्यूपीएल 2024 के मुकाबले खेले जा रहे हैं। मंगलवार को आरसीबी की वुमेन टीम मैदान में थी। टीम अच्छी स्थिति में थी। इसी दौरान फैंस आरसीबी...आरसीबी...के साथ कोहली...कोहली...चिल्लाने लगे। वैसे भी बेंगलुरु में मैच हो और विराट कोहली का नाम फैंस की जुबान पर ना आए, ऐसा हो ही नहीं

सकता। वीडियो आप यहां देख सकते हैं।

बता दें कि दाएं हाथ के बल्लेबाज विराट कोहली करियर की शुरुआत से ही रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर यानी आरसीबी के लिए खेलते आ रहे हैं। विराट कोहली ने 2008 से लेकर 2023 तक टीम के लिए खेला है और 2024 में भी वे टीम के साथ होंगे। वे दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं, जिन्होंने एक फ्रेंचाइजी के लिए इतने ज्यादा समय तक क्रिकेट खेली है। विराट कोहली मानते हैं कि आरसीबी के अलावा वे किसी अन्य टीम से नहीं खेलते हैं। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली अब आरसीबी के लिए ही सीधे प्रोफेशनल क्रिकेट खेलते नजर आएंगे, क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी टेस्ट मैच में वे खेलेंगे नहीं और उसके बाद आईपीएल होना है। ऐसे में वे आईपीएल 2024 में आरसीबी के लिए नजर आएंगे। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आरसीबी को ही टूर्नामेंट के पहले मैच में भिड़ना है, जो चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट की शुरुआत 22 मार्च से होगी।

ऋषभ पंत की जल्द हो सकती है वापसी, लेकिन ध्रुव जुरेल में है एमएस धोनी जैसा बनने वाली बात

ध्रुव जुरेल ने अभी तक दो ही टेस्ट मैच खेले हैं और 87.5 की औसत से 175 रन बना चुके हैं और साथ ही एक मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड भी अपने नाम कर चुके हैं। छोटे से करियर में उनकी तुलना धोनी से शुरू हो चुकी है।

नई दिल्ली.एजेंसी

ऋषभ पंत का जब साल 2022 के अंत में रोड एक्सिडेंट हुआ था, उसके बाद से टेस्ट क्रिकेट में अचानक से विकेटकीपर बैटर की कमी टीम इंडिया को ज्यादा ही खलने लगी थी। केएल राहुल विकेटकीपर बैटर के तौर पर खेले, केएस भरत को लंबे समय तक आजमाया गया और इस बीच ईशान किशन पर भी दांव लगाया गया, लेकिन इससे कुछ ज्यादा फायदा होता नहीं दिखा। केएस भरत की बात करें तो उन्होंने विकेटकीपर के तौर पर तो अपने काम से प्रभावित किया, लेकिन बैटिंग में लगातार फेल होते नजर आए। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज के पहले दो टेस्ट मैचों में केएस भरत को प्लेइंग इलेवन में रखा गया, लेकिन फिर से वह बैटिंग में फेल हुए और चौथे टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग इलेवन में विकेटकीपर बैटर के तौर पर आए ध्रुव जुरेल। 23 साल के जुरेल ने पहले ही दो टेस्ट मैचों में जिस तरह की बैटिंग की और विकेट के पीछे जिस तरह से तेजी दिखाई, उनकी तुलना महेंद्र सिंह धोनी से होना शुरू हो गई। रांची टेस्ट में टीम इंडिया की पांच विकेट की जीत में जुरेल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था, जिसके बाद सुनील गावस्कर ने उनके लिए कहा था, एक और एमएस धोनी इन मेकिंग.... वहीं टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर अनिल कुंबले ने भी जुरेल की जमकर तारीफ की है।

उन्होंने कहा, हां, ऋषभ पंत हैं, हमें नहीं पता कि वह कब वापसी करेंगे, जब भी यह होता है, और पंत के लिए यह जल्द हो, लेकिन हां अगर जुरेल की बात करें तो उनके पास वह सारी काबिलियत है कि वह अगले एमएस धोनी बन सकते हैं। जुरेल वहां पहुंच सकते हैं, जहां एमएस धोनी अपने करियर के दौरान पहुंचे। जुरेल ने सिर्फ डिफेंड में अपना टेम्परामेंट नहीं दिखाया है, बल्कि उन्होंने अटैक करने में भी पूरा टेम्परामेंट दिखाया है। इतना ही नहीं रांची में पहली पारी में जब उन्होंने इंग्लिश गेंदबाजों की धुनाई की, तब भी वह पूरी तरह से तैयार नजर आए।

न्यूजीलैंड को लगा बड़ा झटका, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से बाहर हुए डेवन कॉनवे

न्यूजीलैंड की टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही टेस्ट सीरीज से पहले एक बड़ा झटका लगा है। दूसरे टी20 मैच के दौरान चोटिल हुए ओपनर डेवन कॉनवे टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में नही खेलेंगे।

नई दिल्ली.एजेंसी

न्यूजीलैंड की टीम को 29 फरवरी से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भाग लेना है, लेकिन इससे पहले टीम के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। टीम के धाकड़ बल्लेबाज डेवन कॉनवे सीरीज के पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। इससे पहले टीम के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण सीरीज से हट गए थे। ओपनर डेवन कॉनवे को टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले के दौरान चोट लगी थी, जिससे वे अभी उबर नहीं पाए हैं। डेवन कॉनवे ने मंगलवार को वेलिंगटन में एक विशेषज्ञ को अपनी थंब इंजरी को दिखाया। वे पहले थंब गार्ड के साथ बल्लेबाजी करने की संभावना पर विचार कर रहे थे, क्योंकि वे विकेटकीपर के तौर पर हाथ को ग्लव्स के अंदर रख सकते हैं। हालांकि, स्पेशलिस्ट से परामर्श के बाद वे पहले टेस्ट मैच से हट गए। इसके अलावा क्राइस्टचर्च में ऑस्ट्रेलिया के ही खिलाफ सीरीजके दूसरे टेस्ट के लिए उनकी उपलब्धता आने वाले दिनों में तय होगी।

न्यूजीलैंड की टीम के हेड कोच गैरी स्टीड ने कहा, डेवन कॉनवे के लिए एक महत्वपूर्ण मैच से ठीक पहले बाहर होना निराशाजनक है। वह हमारे लिए शीर्ष क्रम पर बल्लेबाजी करने वाले एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं और मुझे पता है कि वह वास्तव में इस सीरीज का इंतजार कर रहे थे। कॉनवे के स्थान पर युवा बल्लेबाज विल यंग के टॉम लैथम के साथ ओपनिंग करने की उम्मीद है, जो पिछले वर्षों से लगातार रन बना रहे हैं।

बता दें कि इस सीरीज से पहले न्यूजीलैंड की टीम को तीन झटके लग चुके हैं। पहले काइल जैमीसन स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण टीम से बाहर हो गए थे और फिर मंगलवार को टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नील वैगनर ने रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया था। अब डेवन कॉनवे सीरीज के पहले मैच में नहीं खेलेंगे और अगले मैच के लिए भी क्या वे ठीक हो पाएंगे? ये भी एक बड़ा सवाल है। ये सीरीज WTC के तहत खेली जानी है।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 29 फरवरी 2024 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

पेंशनर्स की समस्याएं समय पर हल करेगी योगी सरकार

होगा निदान

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने किया पेंशन निदेशालय के नए भवन का शुभारंभ

टीम एक्शन इंडिया

लखनऊः पेंशनर्स को बिना परेशानी समय से पेंशन के भुगतान समेत उनकी समस्त समस्याओं के निदान को प्रयासरत योगी सरकार ने पेंशनर्स को दी जाने वाली सेवाओं को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए पेंशन निदेशालय के नवीन भवन का शुभारंभ किया है। बुधवार को उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने इंदिरा नगर लखनऊ में वित्तीय प्रबंध प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान परिसर में पेंशन निदेशालय के नवीन भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री ने कहा कि पेंशनर्स की पेंशन समय से निस्तारित की जाए, यह हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। कोई भी वजह हो, लेकिन पेंशनर्स को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निदेशालय में कार्यरत कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें बुजुर्गों की सेवा का अवसर मिला है। ये पेंशनर्स हमारे बीच के ही लोग हैं। उनकी सेवा करना आपका कर्तव्य है। वित्त मंत्री ने सभी ट्रेजरी को संबोधित करते हुए कहा कि हमें ऐसा मैकेनिज्म बनाना होगा कि पेंशनर्स या उनके आश्रितों को दी जाने वाली पेंशन में किसी तरह की त्रुटि न हो। उन्हें निर्धारित राशि समय पर मिले, इसकी व्यवस्था करनी होगी। इसके गलत निस्तारण पर बाद में रिकवरी जैसी चीजों से हमें बचना होगा। उल्लेखनीय है कि राजकीय सेवकों के पेंशन प्रकरणों का निस्तारण महालेखाकार कार्यालय के स्थान पर उत्तर प्रदेश राज्य से ही कराए जाने के लिए पेंशन निदेशालय की 2 जून 1988 को स्थापना की गई थी। अभी तक यह निदेशालय इंदिरा भवन के आठवें तल पर क्रियाशील था, लेकिन आवश्यक पत्रावलियों, अभिलेखों के अभिरक्षण के लिए पर्याप्त स्थान न होने के कारण इसे वित्तीय प्रबंध प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान परिसर में स्थानांतरित किया गया है। इस प्रशासनिक भवन का जीर्णोद्धार लोक निर्माण विभाग द्वारा एक करोड़ की लागत से कराया गया है। वर्तमान में समूह क श्रेणी के अधिकारियों, विभिन्न आयोगों के सदस्यों एवं खादी बोर्ड सहित कृषि विश्वविद्यालयों एवं प्राविधिक कॉलेज के कार्मिकों की पेंशन प्रकरण का निस्तारण निदेशालय स्तर से किया जा रहा है। साथ ही राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली से आच्छादित कार्मिकों की सेवारत मृत्यु के प्रकरणों में इनके आश्रितों को उनके विकल्प के आधार पर पारिवारिक पेंशन भी स्वीकृत किए जाने की व्यवस्था है।

यूपी में तेजी से हो रहा विकास: सीएम योगी

सीएम योगी ने किया गृह विभाग की 2310 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

शुभारंभ

1523 पुलिस थानों में साइबर सेल, 57 जनपदों में साइबर क्राइम पुलिस थाने का शुभारंभ किया

टीम एक्शन इंडिया

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश पुलिस अवस्थापना सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु 2,310 करोड़ से अधिक के 144 निर्माण कार्यों का लोकार्पण/शिलान्यास किया। बुधवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रदेश के सभी 75 जनपदों के 1523 पुलिस थानों में साइबर सेल, 57 जनपदों में साइबर क्राइम पुलिस थाने, 18 मंडल मुख्यालयों पर भ्रष्टाचार निवारण संगठन थाने, 8 जनपदों में भ्रष्टाचार निवारण संगठन इकाई तथा प्रयागराज एवं कुशीनगर में पर्यटन थाने का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गृह विभाग और पुलिस विभाग को आज 2 हजार करोड़ से ज्यादा की परियोजनाएं मिल रही हहैं। नए साइबर थाने और थानों के इंफ्रास्ट्रक्चर नए हो रहे हैं। इसके लिए पुलिस कार्मिको को बधाई। ये नए भारत का नया यूपी, नए यूपी के नए पुलिस इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए बधाई। उन्होंने कहा कि ये सारे कार्य प्रदेश के नए बदलाव की कहानी कहते हैं। यही प्रदेश था जहां कोई आना नही चाहता था। यूपी का युवा बाहर जाकर अपनी पहचान छिपाता था। जैसे आदमी की शरीर से आत्मा निकाल दे तो सब व्यर्थ होता है, वैसे ही जनपद तो बना दिये गए थे, पुलिस लाइन गायब थी, हम पहली बार 4 जनपदों में नए पुलिस लाइन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज जनपद में जो सबसे बड़ी बिल्डिंग होगी वो पुलिस लाइन की पुलिस बैरक पुलिस हॉस्टल बिल्डिंग की होगी। आज हर जनपद की पुलिस लाइन या हर थाना क्षेत्र में पुलिस हॉस्टल या पुलिस बैरक का या तो निर्माण हो गया है या हो रहा है। इसमे जो भी पैसा लगा वो हमने लगाया। पिछले 6 से सात वर्षों में हमने सिर्फ पुलिस अवस्थापना और सुविधाओ के लिए ही 18 से 20 हजार करोड़ रुपये दिए है। आज उत्तरज प्रदेश कह सकता है कि आज देश मे सबसे उन्नत और सबसे बेहतरीन पुलिस इंफ्रास्ट्रक्चर हमारे पास है। यही प्रदेश दंगाग्रस्त था,

उप्र के कानपुर और बुलंदशहर जैसे शहरों में मिलेगा बंपर रोजगार

टीम एक्शन इंडिया

लखनऊ: ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 4.0) के जरिए उत्तर प्रदेश में 10 लाख करोड़ का निवेश धरातल पर उतारने वाली योगी सरकार इसके जरिए 34 लाख रोजगार भी सृजित करने जा रही है। युवाओं को रोजगार के अवसर पूरे प्रदेश यानी हर क्षेत्र, हर मंडल और हर जिले में उपलब्ध होंगे। दिलचस्प बात ये है कि इस निवेश के माध्यम से कानपुर नगर और बुलंदशहर जैसे टियर 2/3 शहर भी बड़े पैमाने पर रोजगार के साधन उपलब्ध कराने जा रहे हैं। सरकार के आंकड़ों के अनुसार कानपुर नगर में लगने जा रहे प्राइवेट इंडस्ट्रियल पार्क से ही सिर्फ 2.5 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। बुलंदशहर में ओब्दु ग्रुप के द्वारा डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक में किए जा रहे निवेश से भी 70 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। इसी तरह अन्य जिलों में भी बड़े प्रोजेक्ट्स के जरिए व्यापक पैमाने पर रोजगार का सृजित होगा। योगी सरकार ने 19 फरवरी को राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 10 लाख करोड़ से अधिक की 14 हजार से ज्यादा परियोजनाओं का शुभारंभ किया।

इसमें कानपुर नगर में प्राइवेट इंडस्ट्रियल पार्क का भूमि पूजन भी सम्मिलित था। मेगा लेदर क्लस्टर डेवलपमेंट (यूपी) लि. के माध्यम से इस परियोजना की शुरूआत की जा रही है, जिसमें 5850 करोड़ रुपये निवेश किए जा रहे हैं। प्राइवेट इंडस्ट्रियल पार्क परियोजना पूर्ण होने के बाद कानपुर नगर में इसके माध्यम से 2.5 लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध हो सकेंगे।

बिल गेट्स ने भुवनेश्वर की झुग्गी बस्ती का किया दौरा

नई दिल्लीः माइक्रोसॉफ्ट के सह संस्थापक बिल गेट्स ने बुधवार को ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में मां मंगला झुग्गी बस्ती का दौरा किया। बिल गेट्स ने झुग्गीवासियों से उनके लिए उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं और सरकार की जगा मिशन योजना पर चर्चा की। उन्होंने राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ बीजू आदर्श कॉलोनी का भी दौरा किया। ओडिशा सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कर लिखा कि बिल गेट्स ने झुग्गी बस्ती में रहने वाले लोगों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। गेट्स ने वहां काम करने वाले महिला स्वयंसहायता समूहों के सदस्यों के साथ भी बातचीत की। इस दौरान राज्य विकास आयुक्त अनु गर्ग ने बिल गेट्स को झुग्गीवासियों को भूमि अधिकार, नल के पानी का कनेक्शन, शौचालय और बिजली की आपूर्ति आदि सुविधा मिलने की जानकारी दी। उन्होंने झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र को एक मॉडल कॉलोनी में बदलने पर खुशी व्यक्त की। दो दिवसीय भारत दौरे पर आए बिल गेट्स ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से मुलाकात करेंगे।

गहरी खाई में गिरी कार, छह की मौत

टीम एक्शन इंडिया

विकासनगरः सीमावर्ती त्यूणी के पंद्राणू क्षेत्र से जौनसार के दसऊ जा रही एक आल्टो कार ( ) जेपीआरआर हाईवे पर अटाल के पास अनियंत्रित होकर लगभग 800 मीटर गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना में कार सवार सात लोगों में से छह की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें दो महिलाएं शामिल है। सभी हिमाचल प्रदेश के रहने वाले हैं और वे सभी चालदां महाराज के दर्शन के लिए जा रहे थे। दुर्घटनाग्रस्त होने से माटल-त्यूणी निवासी सूरज, संजू, शीतल, यश, संजना व दिव्यांश की मौके पर ही मौत हो गई। जीत बहादुर गंभीर रूप से घायल जिसका उपचार राजकीय अस्पताल में चल रहा है।

रंगों के त्योहार होली का अपना ही मजा ब्रज में देखने को मिलता है, यहां मंदिरों में रंग पर्व का उल्लास चरम पर देखने को मिलता है। रोजाना सुबह-शाम सभी प्रमुख मंदिरों में ठाकुर जी के समक्ष अबीर-गुलाल भेंट किया जा रहा।

'खाली लिफाफा है सरकार का बजट'

साधा निशाना

बजट 89 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का बजट है,इसमें विकास और जनकल्याण के लिए पैसा नहीं बचा

टीम एक्शन इंडिया

देहरादूनः उत्तराखंड सरकार ने विधानसभा के पटल पर 89 हजार करोड़ का बजट पेश किया है। एक तरफ जहां सरकार इसे ऐतिहासिक बता रही है तो वहीं विपक्ष लगातार इस बजट पर सवाल उठा आ रहा है। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने भी वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पेश किए गए बजट पर प्रतिक्रिया दी है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ हरीश रावत का कहना है कि ये बजट एक खाली लिफाफा है। उन्होंने कहा, इस बार का बजट 89 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का बजट है, लेकिन हकीकत में देखें तो इसमें विकास और जनकल्याण के लिए पैसा नहीं बचा है, क्योंकि एक हिस्सा कर्ज के भुगतान में जाएगा तो दूसरा हिस्सा कर्मचारियों का वेतन, भत्ता आदि के भुगतान में। इसमें करीब 55 हजार करोड़ से अधिक रुपया अनुत्पादक व्यय में जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, वित्त मंत्री ने कहा कि हम युवा, महिला, किसान व गरीब के लिए बजट लाएंगे, लेकिन चारों में से किसी के लिए बजट में कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि खास कर गैरसैंण जिसे ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाया गया।

मेरठ में पुलिस ने पकड़ी 20 लाख की अवैध शराब

मेरठः जानी थाना क्षेत्र में गंग नहर पुल पर पुलिस ने एक अंतरराज्यीय शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से पुलिस ने लगभग 20 लाख रुपए कीमत की अवैध शराब पकड़ी। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया हुआ है। अंतरराज्यीय शराब तस्कर संदीप पुत्र बलवान निवासी ग्राम सिसाना थाना खरखौदा जनपद सोनीपत हरियाणा के पास से 330 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब तथा 270 पेटी देशी शराब बरामद हुई।

लोकसभा चुनाव में होगा संविधान मंथनः अखिलेश

दावा

एक तरफ वे लोग हैं जो संविधान को बचाना चाहते हैं, दूसरी तरफ वे लोग हैं जो संविधान की धज्जियां उड़ाना चाहते हैं

टीम एक्शन इंडिया

लखनऊः जिस तरीके से कभी समुद्र मंथन हुआ था, इस बार संविधान मंथन होने जा रहा है। एक तरफ वे लोग हैं जो संविधान को बचाना चाहते हैं, दूसरी तरफ वे लोग हैं जो संविधान की धज्जियां उड़ाना चाहते हैं। ये लोकसभा चुनाव संविधान के मंथन का समय है। यह बातें समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के नेता शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली और कई पदाधिकारियों व समर्थकों के साइकिल के साथ आने पर कही। वे पार्टी मुख्यालय में बुधवार को पत्रकारों को सम्बोधित कर रहे थे। अखिलेश ने गुड्डू जमाली के सपा ज्वॉइन करने पर पत्रकारों से कहा कि हमारा पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) परिवार बढ़ता जा रहा है। पीडीए का परिवार जितना बढ़ेगा, उतनी बड़ी जीत इस लोकसभा चुनाव में होने वाली है। मैं गुड्डू जमाली का स्वागत करता हूं। 24 में भविष्य की लड़ाई लड़ने जा रहे हैं।

इस पार्टी में आपको अपने घर जैसा लगेगा, आप अपनी पार्टी में वापस आए हैं। इस मौके पर सपा महासचिव शिवपाल यादव ने कहा कि गुड्डू जमाली जीवन भर के लिए सपा के साथ हो गए। देश को बचाने का काम पीडीए कर रही है। सपा और हमारी तरफ से गुड्डू जमाली का पूरा सम्मान रहेगा। सपा महासचिव ने कहा कि किसान, नौजवान और मुसलमान दुखी हैं। भाजपा के लोग राम की कसम खाकर झूठ बोलते हैं। 2024 के चुनाव में इनको उखाड़ फेंकेंगे। सपा में शामिल होने पर गुड्डू जमाली ने कहा कि एक खेमा देश बांट रहा है और दूसरा जोड़ रहा है। मैं देश जोड़ने वालों के साथ हूं।

अलग ही उत्साह देखने को मिल रहा ब्रज की होली में...

टीम एक्शन इंडिया

मथुराः रंगों के त्योहार होली का अपना ही मजा ब्रज में देखने को मिलता है, यहां मंदिरों में रंग पर्व का उल्लास चरम पर देखने को मिलता है। रोजाना सुबह-शाम सभी प्रमुख मंदिरों में ठाकुर जी के समक्ष अबीर-गुलाल भेंट किया जा रहा है और प्रसाद के रूप में उसे श्रद्धालुओं के ऊपर भी बरसाया जा रहा है। सम्पूर्ण ब्रज मंडल के मंदिरों में बसंत पंचमी के दिन ही होली की शुरूआत हो जाती है। इसी दिन सभी शहर-कस्बों के प्रमुख चौराहों पर होली का डांढ़ा (लकड़ी का एक टुकड़ा, जिसके आसपास के दायरे में ही होली जलाई जाने वाली लकड़िया-कंडे इत्यादि जमा किए जाते हैं) गाड़ दिया जाता है। प्रसिद्ध द्वारिकाधीश मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि गोस्वामी समाज के लोग प्रतिदिन ठाकुर जी के समक्ष समाज गायन (होली के गीत) कर प्रभु को अपनी भावनाओं से अवगत कराते हैं और उन्हें होली की बधाई देते हैं।

मप्र में यहां आया जल संकट..विधायक ने लगाई गुहार

जल का महत्व

अपने ही सरकार में भाजपा विधायक को एसडीएम के सामने पैर छूकर लगानी पड़ रही गुहार

टीम एक्शन इंडिया

भोपालः जल का महत्व कितना अधिक है, यह समय-समय पर कवि, साहित्यकार अपने लेखन के माध्यम से अभिव्यक्त करते रहे हैं, यह इसका महत्व ही है कि आज मध्यप्रदेश में एक जनता के चुने हुए जनप्रतिनिधि को अपने क्षेत्र में पानी की कमी दूर करने के लिए एक सरकारी अधिकारी (एसडीएम) के पैर तक छूने पड़ गए। जिससे जुड़ा एक वीडियो अभी सोशल मीडिया पर वायरल है। दरअसल, विदिशा के सिरोंज तहसील से भाजपा विधायक उमाकांत शर्मा लगातार अपने क्षेत्र में पानी की कमी को लेकर अधिकारियों से बोलते आ रहे थे, लेकिन इसके बाद भी उनकी बातों को कोई अधिकारी गंभीरता से नहीं ले रहा था, ऐसे में वे अपनी बात रखने तहसील कार्यालय पहुंच गए और उन्होंने एसडीएम हर्षल चौधरी को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता पानी की कमी से परेशान हो है। मैं कई बार इस संबंध में अधिकारियों से बोल चुका हूं लेकिन इस ओर कोई ध्यान देनेवाला नहीं। शर्मा का आरोप है कि गांवों में नल जल योजनाएं असफल हो चुकी हैं। ठेकेदार और अधिकारी मिलकर पैसे खा रहे हैं। पिछले दिन से यहां घरों तक पानी नहीं पहुंच सका है। पीएचई विभाग पूरी तरह फेल हो चुका है, सर्वत्र यही दिखाई देता है। ये केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार को किसी भी तरह से राज्य में असफल सिद्ध कर देना चाहते हैं आप कुछ कीजिए। विधायक उमाकांत शर्मा का कहना है कि मैं स्थानीय राजस्व, सामान्य प्रशासन एवं अनुविभागीय स्तर पर अनेकों बार अवगत कर चुका हूँ परंतु नपा प्रशासन, तहसील के राजस्व प्रशासन, पीएचई, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा जिला स्तरीय प्रशासन समस्या का निदान करने में पूरी तरह विफल रहा है।

तेंदुलकर की कश्मीर यात्रा पर पीएम ने कहा .. आइए विकसित भारत बनाएं

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्लीः पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की जम्मू-कश्मीर यात्रा का विवरण साझा करने पर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि आइए, हम मिलकर एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत की रचना करें। सचिन तेंदुलकर ने जम्मू-कश्मीर की अपनी यात्रा का एक संक्षिप्त विवरण बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया और देश और विदेश के लोगों को वहां जाने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर मेरी स्मृति में एक खूबसूरत अनुभव बना रहेगा। चारों ओर बर्फ थी लेकिन लोगों के असाधारण आतिथ्य के कारण हमें गर्माहट महसूस हुई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमारे देश में देखने के लिए बहुत कुछ है। विशेषकर इस यात्रा के बाद इससे अधिक सहमत नहीं हो सका। सचिन ने कहा कि कश्मीर विलो चमगादड़ मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड के महान उदाहरण हैं। उन्होंने दुनिया भर की यात्रा की है और अब मैं दुनिया भर के लोगों और भारत को सलाह देता हूं कि वे आएं और अतुलनीय भारत के कई रत्नों में से एक जम्मू और कश्मीर का अनुभव लें।

अखिलेश यादव जहां से लड़ेंगे चुनाव उनके खिलाफ वहीं से लड़ेंगे चुनावः निरहुआ

टीम एक्शन इंडिया

आजमगढ़ः जिले में एक निजी कार्यक्रम में बुधवार को पहुंचे भाजपा सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ ने एक बार फिर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि अगर अखिलेश यादव आजमगढ़ से चुनाव नहीं लड़े तो वे जहां से चुनाव लड़ेंगे मैं वहीं से उनके खिलाफ चुनाव लड़ूंगा। नगर के रोडवेज स्थित एक निजी पैथोलॉजी सेंटर का उद्घाटन करने के बाद भाजपा सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ ने कहा कि आजमगढ़ जिले में एक साल में जितना काम हुआ है, उतना कार्य बीते सरकारों के जनप्रतिनिधियों ने कभी नहीं किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले 10 वर्षों के कार्यकाल में देश में जितना कार्य हुआ है, उसको देखते हुए जो हमारा आजमगढ़ है अब वो यह तय कर चुका है कि वह सरकार के साथ ही अब रहने वाला है। इस बार भी आजमगढ़ में भाजपा जीतेगी। सांसद निरहुआ ने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में एक बार फिर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बनने जा रहे हैं और आजमगढ़ जनता सरकार के साथ रहेगी। आजमगढ़ एयरपोर्ट का जल्द ही उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों होगा। समाजवादी पार्टी के विधायकों द्वारा पाला बदलने को लेकर सांसद ने कहा कि यह सारी लड़ाई विचारधारा की है। हमें लगता है कि सपा में जो भी लोग काम कर रहे थे, वह एक चीज महसूस कर रहे थे कि अगर इस पार्टी में रहना तो राम मंदिर के खिलाफ बोलना पड़ेगा।

सौंदर्यवर्धन भारतीय अर्थव्यवस्था में वर्ष 2022-23 में अनन्तिम अनुमान के अनुसार 7.2 प्रतिशत की वृद्धि आंकी गई

उत्तराखंड विधानसभा में आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत

आंकड़ा

वर्ष 2022-23 में 272.40 लाख करोड़ रुपये तथा वर्ष 2023-24 में लगभग 296.57 लाख करोड़ आंका गया

टीम एक्शन इंडिया

देहरादूनः उत्तराखंड विधानसभा में आर्थिक सर्वेक्षण विधानसभा के पटल पर प्रस्तुत किया गया। वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत इस सर्वेक्षण के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था में वर्ष 2022-23 में अनन्तिम अनुमान के अनुसार 7.2 प्रतिशत की वृद्धि आंकी गई है जबकि वर्ष 2023-24 में विकास दर 7.3 प्रतिशत रहने की सम्भावना है। प्रचलित भावों पर सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2022-23 में 272.40 लाख करोड़ रुपये तथा वर्ष 2023-24 में लगभग 296.57 लाख करोड़ आंका गया है। स्थिर भावों (आधार वर्ष 2011-12) पर जीडीपी वर्ष 2022-23 में 160.06 लाख करोड़ की तुलना में वर्ष 2023-24 में लगभग 171.78 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

वर्ष 2023-24 के दौरान मूल्य संवर्धन में वृद्धि मुख्यतः निर्माण उधोग (10.7 प्रतिशत), वित्त, रियल स्टेट एवं पेशेवर सेवाएं (8.9 प्रतिशत), बिजली, गैस, पानी ओर अन्य उपयोगी सेवायें (8.3 प्रतिशत), खनन एवं उत्खनन (8.1 प्रतिशत), लोक प्रशासन एवं अन्य सेवा (7.7 प्रतिशत), विनिर्माण क्षेत्र (6.5 प्रतिशत), तथा व्यापार, होटल, परिवहन एवं संचार सेवाएं, (6.3 प्रतिशत) में अनुमानित है। संरचनात्मक दृष्टि से वर्ष 2022-23 में प्राथमिक क्षेत्र का योगदान 20.32 प्रतिशत, द्वितीयक क्षेत्र का योगदान 25.56 प्रतिशत और तृतीयक क्षेत्र का योगदान 54.13 प्रतिशत रहने का अनुमान है।